मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | जबलपुर, शनिवार 26 सितंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-329, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

नशे में मिला एअर इंडिया का पायलट, स्विटरलैंड में उतारा कंपलसरी टेस्ट में पकड़ा गया

नई दिल्ली। एअर इंडिया ने ज्यूरिख-दिल्ली फ्लाइट के पायलट को नशे में पाए जाने के बाद सस्पेंड कर दिया है। उसे स्विट्जरलैंड में ही उतार दिया गया। उड़ान से पहले होने वाले कंपलसरी अल्कोहल टेस्ट में उसके नशे में होने की पुष्टि हुई। जांच पूरी होने तक पायलट का निलंबन जारी रहेगा। यह मामला 6 सितंबर का है। टेकऑफ से पहले ग्राउंड स्टाफ को पायलट से शराब की स्मेल आई थी। उन्होंने अफसरों को उसकी सूचना दी। जिसके बाद पायलट को विमान से उतार दिया गया। उसे उसी फ्लाइट से भारत भेजा गया था।

जीरो टॉलरेंस पॉलिसी: एअर इंडिया

एयर इंडिया ने कहा, एयर इंडिया की सुरक्षा, नियमों या प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर जीरो टॉलरेंस नीति है। ऐला होने पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाती है। एयरलाइन ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी क्रू मेंबर्स को उच्चतम सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। एयर इंडिया समय-समय पर इसके लिए जागरूकता अभियान चलाती है।

स्विस फेडरल ऑफिस ऑफ सिविल एविएशन (FOCA) ने इस मामले की पुष्टि की है। FOCA के मुताबिक, पायलट पर स्विस नियमों के तहत कार्रवाई की गई।

इसकी जानकारी भारत के DGCA को दी गई। इस वजह से AI-151 ज्यूरिख-दिल्ली फ्लाइट तय समय पर ऑपरेट नहीं हो सकी।

भारत से उड़ान भरने वाले पायलटों का उड़ान से पहले ड्रग और अल्कोहल टेस्ट अनिवार्य है। वहीं, विदेश से भारत आने वाली फ्लाइट में आमतौर पर टेस्ट लैंडिंग के बाद होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का किया शुभारंभ

मध्यप्रदेश सरकार ने नवाचार के साथ सार्वजनिक परिवहन को दोबारा किया शुरू : केन्द्रीय मंत्री गडकरी

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश सुगम परिवहन सेवा की सौगात देकर आज के दिन को ऐतिहासिक बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सात शहरों की 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम के बाद स्वयं भेल दशहरा मैदान से टिकिट लेकर बस से ही मुख्यमंत्री निवास पहुंचे।

3500 से अधिक मार्गों पर 15 हजार से अधिक बसों का चरणबद्ध रूप से होगा विस्तार

प्रदेशवासियों को सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू की जा रही है। इस सेवा से शहरी ग्रामीण क्षेत्रों में बस कनेक्टिविटी को मजबूत किया जाएगा। प्रदेश की 75% ग्राम पंचायतों तक परिवहन सेवा का विस्तार होगा। इस इण्टरसिटी और इण्टर स्टेट बस सेवा के अंतर्गत अगले 5 वर्षों में 3500 से अधिक मार्गों पर 15 हजार से अधिक बसों का चरणबद्ध विस्तार होगा। पूरे प्रदेश में नगरों, छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक आम आदमी के लिए सफर आसान होगा। यह ऐसा एकीकृत परिवहन तंत्र है जो यात्रा के समय को कम करेगा और सफर को अधिक सुगम बनाएगा। पूरे प्रदेश में आधुनिक-सुविधाजनक बस स्टॉप, बस टर्मिनल और निजी बस ऑपरेटरों के लिए बस डिपो विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा में ऑनलाइन टिकटिंग, ईवी और सीएनजी बसों को प्राथमिकता देते हुए पर्यावरण अनुकूल आधुनिक बसें, शामिल होंगी। यात्री फीडबैक के आधार पर शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 247 कस्टमर केयर सुविधा रहेगी।

कार्यक्रम स्थल से बसों को झंडी दिखाकर किया रवाना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के भेल दशहरा मैदान पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा और पीएम ई बस सेवा पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के संचालन के लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री मनीष सिंह तथा स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल के निर्देशक प्रोफेसर डॉ. कैलाश राव एम के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा और पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत बसों का सिंगल क्लिक से लोकार्पण किया तथा कार्यक्रम स्थल से बसों का झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, भोपाल के प्रभारी मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भेल दशहरा मैदान पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मोत्सव 17 सितंबर से 17 अक्टूबर के अवसर पर सेवा संकल्प माह और एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर 21 साल बाद मध्यप्रदेश में सार्वजनिक परिवहन बस सेवा पुनः शुरू हो रही है। जनता की सेवा के संकल्प की पूर्ति का नया अध्याय लिखा गया है। हमारी सड़क परिवहन सेवाओं का लाभ प्रदेश के दूर-दराज स्थित जनजातीय क्षेत्रों को भी मिलेगा। गरीब और जरुरतमंदों के लिए प्रदेश सरकार ने सेवा का संकल्प लिया है। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी के माध्यम से प्रदेश में सड़कों और हाईवे का जाल बिछ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा और पीएम ई-बस सेवा के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन के एक आधुनिक और यूनिक मॉडल की शुरूआत हो रही है। बसों में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी, पैनिक बटन, इमरजेंसी डोर, जीपीएस मॉनिटरिंग, ऑनलाइन टिकटिंग, शिकायतों के समाधान सहित कई प्रकार से मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। बस ड्राइवरों की ट्रेनिंग और सुरक्षा के प्रबंधन भी किए गए हैं। वर्ष 2029 तक सभी रूटों पर भगवा रंग की बसें दौड़ती नजर आएंगी, जो प्रमुख शहरों के साथ देश के प्रमुख तीर्थस्थलों और महानगरों तक आवागमन को सुगम बनाएंगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बस स्टैंड, बस स्टॉप और चार्जिंग स्टेशनों के साथ सुव्यवस्थित नियंत्रण प्रणाली भी लागू की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नक्सलवाद से मुक्त हुए बालाघाट जिले को नई सौगात मिलने जा रही है। हमारी सरकार ने प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था और शांति के लिए चुनौती बने सभी संकटों को समाप्त किया है। हमारी सरकार ने भोपाल से यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट का समुचित प्रबंधन करते हुए निष्पादन किया है। प्रदेशवासियों की आशा और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी मंत्रीगण संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने बिजली, पानी, सड़क और ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। सभी क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार और नौकरी के अवसर दिए गए हैं।

छठे दिन 6 मेडल मिले

भारत को पोल वॉल्ट में पहली बार एशियन गेम्स मेडल

एजेन्सी, नागोया (जापान)

भारत ने एशियन गेम्स के पोल वॉल्ट में पहली बार मेडल जीता। बरानिका एलांगोवन ने महिलाओं की पोल वॉल्ट में 4.15 मीटर की ऊंचाई पार कर ब्रॉन्ज जीता। पोल वॉल्ट में खिलाड़ी लंबी डंडी की मदद से खुद को हवा में उठाकर एक पट्टी को पार करता है।

शुक्रवार को एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर रेस में सिल्वर जीता। उन्होंने 28 मिनट 29.38 सेकेंड में रेस पूरी की। 2023 में इसी इवेंट में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

छठे दिन भारत ने 1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज समेत कुल 6 मेडल जीते। इसके साथ भारत के खाते में 23 मेडल हो गए हैं। चीन 157 मेडल के साथ टॉप पर है।

सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में गोल्ड जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 484.6 अंक हासिल किए। साउथ कोरिया 478.0 अंक के साथ दूसरे और ईरान 415.8 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारत ने कोरिया पर 6.6 अंक की बढ़त बनाई।

50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम इवेंट में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्रांक्ष पाटिल और नीरज कुमार की टीम ने सिल्वर जीता। भारत ने 1762 अंक बनाए। चीन 1766 अंक के साथ गोल्ड और साउथ कोरिया 1751 अंक के साथ ब्रॉन्ज जीतने में सफल रहा।

अगले बरस जल्दी आना: गुलाल, फूल और जयकारों के बीच बप्पा की विदाई

एजेन्सी, मुंबई

मुंबई में शुक्रवार को 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों और ढोल-ताशे की थाप से माहौल गूंज उठा। शहर में विसर्जन जुलूस निकले और भक्तों ने त्योहार के आखिरी दिन भगवान गणेश को भावुक विदाई दी।सार्वजनिक गणेश पंडालों में बड़ी संख्या में भक्तों की मौजूदगी में पारंपरिक पूजा और आरती हुई। इसके साथ ही कई प्रमुख मंडलों के विसर्जन जुलूस में जोश भरे जयकारों, पारंपरिक संगीत और गुलाल व फूलों की पंखुड़ियों की बौछार हुए।

बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) ने बताया कि शहर में गणपति की मूर्तियां विसर्जन स्थलों पर पहुंचने लगी हैं। दोपहर तक कुल 430 मूर्तियों का विसर्जन किया गया। नगर निकाय ने बताया कि इनमें से आठ सार्वजनिक गणपति की मूर्तियां, 416 घरों में स्थापित मूर्तियां और छह देवी गौरी/हरतालिका की मूर्तियां थीं। बीएमसी ने अपनी ताजा जानकारी में कहा, 'दोपहर तक विसर्जन की प्रक्रिया के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।'

12 दिनों तक चलने वाला गणपति उत्सव अनंत चतुर्दशी को समाप्त होता है। जब भक्त हाथी के सिर वाले देवता की मूर्तियों को प्राकृतिक जलाशयों या कृत्रिम तालाबों में विसर्जित करके उन्हें विदाई देते हैं।

इस दिन मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में रंग-बिरंगे और जोश से भरे जुलूस निकाले जाते हैं। यह जश्न अक्सर देर रात से लेकर अगले दिन की सुबह तक चलता रहता है।

यूपी के 50 शहरों में 24 घंटे से बारिश

सिक्किम में लैंडस्लाइड, 20 घर बहे, 10 हजार लोग शिफ्ट

नई दिल्ली/लखनऊ/भोपाल। बंगाल की खाड़ी से उठा अर्नब चक्रवात अब कमजोर पड़ गया है। इसके कारण यूपी के 50 शहरों में 24 घंटे से रुक-रुककर बारिश हो रही है। लखनऊ में शुक्रवार सुबह से अंधेरा छाया हुआ है। ग्रामीण इलाकों में आंधी जैसी तेज हवाओं के कारण फसलें गिर गई हैं। खेतों में पानी भर गया है। सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के रिंबी गांव में लगातार बारिश के कारण गुरुवार रात लैंडस्लाइड हुई। इसमें 20 से ज्यादा घर और सरकारी क्वार्टर बह गए। हालांकि, अभी तक किसी की मौत की सूचना नहीं है।

चक्रवात से ओडिशा में भारी बारिश के साथ अचानक बाढ़ और लैंडस्लाइड का खतरा बना हुआ है। राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी इलाकों में निचले और लैंडस्लाइड प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले करीब 10 हजार लोगों को 200 राहत केंद्रों में भेजा गया है। चक्रवात से 9 राज्य प्रभावित हैं।

ग्वालियर में प्रस्तावित एशिया के पहले टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन को लेकर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिल्ली में की हाई-लेवल मीटिंग

एक सत बुलेटिन, नई दिल्ली

ग्वालियर में प्रस्तावित एशिया के पहले टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (TMZ) के स्थल निरीक्षण और बेंगलुरु में निवेशकों के साथ हुई बैठक के बाद केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज नई दिल्ली में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की।

बैठक में TMZ की परियोजना के क्रियान्वयन और आगे की कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। केन्द्रीय मंत्री ने अधिकारियों को परियोजना से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समयसीमा के अनुरूप जमीनी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

आपको बता दें कि ग्वालियर में TMZ की स्थापना के लिए 30 जुलाई 2026 को केन्द्र सरकार के दूरसंचार विभाग और मध्य प्रदेश सरकार के बीच MoU पर हस्ताक्षर हुए थे। इसके बाद नई दिल्ली में पहली निवेशक राउंडटेबल में 3,500 करोड़ के निवेश और लगभग 14,000 रोजगार अवसरों की प्रतिबद्धता सामने आई। वहीं 4 अगस्त 2026 को मुंबई में आयोजित इन्वेस्टर्स मीट में लगभग 2,000 करोड़ के अतिरिक्त निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई, जिससे कुल प्रस्तावित निवेश 5,500 करोड़ और संभावित रोजगार अवसर 18,000+ हो गए।

बैठक में सिंधिया ने टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन ळटे के आगामी कार्ययोजना को लेकर की समीक्षा, सिंधिया ने अधिकारियों को दिए निर्देश

भूमि का निरीक्षण

हाल ही में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन के लिए प्रस्तावित भूमि का स्थल निरीक्षण कर परियोजना की तैयारियों और जमीनी स्थिति की जानकारी ली थी। इसके बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के साथ बेंगलुरु में आयोजित इन्वेस्टर राउंडटेबल में निवेशकों के साथ विस्तार से चर्चा की थी।

अब नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर TMZ की आगामी कार्ययोजना की समीक्षा की। बैठक में सिंधिया ने अधिकारियों से जमीनी स्तर पर चल रहे कार्यों में तेजी लाने और निवेशकों के लिए आवश्यक सुविधाओं एवं अनुकूल वातावरण तैयार करने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

आपको बता दें कि TMZ के प्रथम चरण में 170 एकड़ का प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक क्लस्टर विकसित किया जाना है, जिसमें दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास और नवाचार से जुड़ी गतिविधियों के लिए एकीकृत सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

ESB
एक सत बुलेटिन

7 स्थाई और 29 अस्थाई विसर्जन स्थलों पर निगम ने की बेहतर व्यवस्थाएं, आयुक्त संस्कृति जैन ने किया निरीक्षण

भोपाल में 27 हजार से अधिक गणेश प्रतिमाओं का ससम्मान विसर्जन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

अनंत चतुर्दशी पर भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नगर निगम द्वारा की गई व्यवस्थाओं के चलते शहर में विसर्जन का कार्य सुगमता से जारी है। शुक्रवार तक 7 स्थाई विसर्जन घाटों और 29 अस्थाई विसर्जन कुण्डों पर करीब 26,404 छोटी और 1,212 बड़ी समेत कुल 27,616 प्रतिमाओं का विधि-विधान और ससम्मान विसर्जन कराया जा चुका है। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन ने शुक्रवार को शाहपुरा, हथाईखेड़ा, खटलापुरा, रानी कमलापति और प्रेमपुरा विसर्जन घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को विसर्जन कार्य सुरक्षित और

सुचारू रूप से जारी रखने के साथ घाटों पर साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सूखी और गीली पूजन सामग्री को अलग-अलग एकत्र कर उसके उचित निष्पादन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। निगम ने प्रमुख विसर्जन घाटों पर क्रेन, नाव, गोताखोर और फायर ब्रिगेड की तैनाती के साथ पर्याप्त प्रकाश, पेयजल और साफ-सफाई की व्यवस्था की है। स्थाई घाटों पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। वहीं जोन स्तर पर प्रतिमाओं के एकत्रीकरण और विसर्जन के लिए 29 अस्थाई स्थल, विशेष विसर्जन वाहन और अलग-अलग अपशिष्ट पात्र उपलब्ध कराए गए हैं। अब तक प्रेमपुरा में करीब 5,000 छोटी और 260 बड़ी, शाहपुरा में 6,300 छोटी और 405 बड़ी, खटलापुरा में 3,335 छोटी और 56 बड़ी, रानी कमलापति में 2,000 छोटी और 40 बड़ी, बैरागढ़ में 2,200 छोटी और 85 बड़ी, मालीखेड़ी में 2,400 छोटी और 109 बड़ी तथा हथाईखेड़ा में 1,300 छोटी और 257 बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन हो चुका है। अस्थाई विसर्जन स्थलों पर भी करीब 3,871 प्रतिमाएं विसर्जित की गई हैं।

सोशल मीडिया प्रभारी शिवराज सिंह डाबी ने किया पदभार ग्रहण

सरकार के कार्यों को धरातल तक पहुंचाना मीडिया सोशल मीडिया विभाग की जिम्मेदारी: खण्डेलवाल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल की उपस्थिति में नवनियुक्त प्रदेश मीडिया प्रभारी बृजगोपाल लोया एवं सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी शिवराज सिंह डाबी ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय परिसर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन, संभाग प्रभारी अभय यादव उपस्थित रहे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि केंद्रीय संगठन के निर्देशानुसार पार्टी की विचारधारा, नीतियों तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मीडिया एवं सोशल मीडिया विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार के कार्यों को धरातल तक पहुंचाना मीडिया, सोशल मीडिया विभाग की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री फसल

बीमा योजना जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से देश के करोड़ों नागरिक लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी जनहित और प्रदेश के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया विभाग बेहतर समन्वय के साथ सरकार के कार्यों और संगठन की गतिविधियों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का कार्य करें।

हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि मीडिया विभाग की जिम्मेदारी आशीष उषा अग्रवाल देख रहे थे, जिन्हें केन्द्रीय नेतृत्व ने राष्ट्रीय सह मीडिया संयोजक एवं उसके पश्चात राष्ट्रीय मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी दी है। यह मीडिया विभाग से जुडे पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को केन्द्रीय नेतृत्व में जितना प्रतिनिधित्व इस बार मिला है शायद ही इतना पहले कभी मिला हो। इस बार आठ पदाधिकारियों को संगठन में स्थान मिला है। मीडिया विभाग की उपलब्धियों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी टीम के साथ मिलकर कार्य करेंगे: लोया बृजगोपाल लोया ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौपी है, यह निर्णय एक बार फिर सिद्ध करता है कि भारतीय जनता पार्टी वास्तव में कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक दल है। मुझे राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशीष उषा अग्रवाल के नेतृत्व में प्रवक्ता के रूप में कार्य करने का अवसर मिला जिन्होंने मध्यप्रदेश भाजपा के मीडिया विभाग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी और गतिशील कार्यशैली विकसित की है। अब उस उपलब्धि को बनाए रखते हुए मीडिया विभाग को और आगे ले जाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार विकास भी और विरासत भी' के संकल्प के साथ प्रदेश को विकास की नई दिशा दे रही है। मीडिया विभाग सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों, विकास की उपलब्धियों तथा संगठन की विचारधारा को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने का कार्य करेगा।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बण्डा की दयोदय गौशाला में किया वृक्षारोपण, गौवंश को खिलाया चारा एवं लड्डू

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बण्डा स्थित दयोदय गौशाला पहुंचकर गौसेवा की। उन्होंने सर्वप्रथम गौशाला परिसर में वृक्षारोपण किया। सेवा संकल्प यात्रा के यात्रियों ने भी गौशाला परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। इसके पश्चात उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौशाला में गौवंश को चारा एवं गुड़ के लड्डू खिलाए। इस दौरान उन्होंने गौशाला परिसर का अवलोकन भी किया तथा गौसेवा से जुड़े कार्यों की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौशाला में उपस्थित गौसेवकों एवं संबंधितों से चर्चा की। उन्होंने गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी, बण्डा विधायक वीरेन्द्र सिंह लोधी, रानी कुशवाहा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जगदीश कुमार गोमे, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मोना दांगी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गौसेवक उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समाज की संवाहक और नौनिहालों के भविष्य की आधारशिला : राज्यमंत्री कृष्णा गौर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में संचालित 'सेवा से संकल्प' (सेवा पखवाड़ा) अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र स्थित बागसेवनिया के अमराई (आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 735) में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने आंगनबाड़ी केंद्र का सूक्ष्म निरीक्षण किया, एवं नौनिहालों से संवाद कर उनकी रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली तथा परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। आंगनबाड़ी केंद्रों में मिलता है मातृवत् स्नेह और संस्कार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समाज के वंचित और जरूरतमंद बच्चों के सर्वांगीण विकास, शिक्षा एवं पोषण का पावन दायित्व निष्ठापूर्वक निभा रही हैं। ये केंद्र केवल पोषण वितरण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यहाँ बच्चों को शिक्षा और संस्कार के साथ माँ की ममता का भाव भी प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि 'सेवा से संकल्प अभियान' के माध्यम से इन समर्पित कार्यकर्ताओं को सम्मानित करना स्वयं में अत्यंत गौरव एवं संतोष का विषय

है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अतिथियों ने बच्चों द्वारा निर्मित चित्रकारियों एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्हें स्नेह उपहार वितरित किए। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, श्रीमती ज्योति सिंह, श्रीमती अश्विनी परांजपे, श्रीमती सपना वर्मा, श्रीमती मोना सुस्तानी, श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी, श्रीमती मोनिका ठाकुर, श्रीमती शीला पाटीदार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

25वें गणेशोत्सव पर 62 यूनिट रक्तदान, 4000 से अधिक श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया महाप्रसाद

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

राधा कृष्ण गणेश उत्सव समिति, राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण, लाला लाजपत राय कॉलोनी, गोविंदपुरा द्वारा गणेशोत्सव के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सरोकारों को जोड़ते हुए विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में 62 यूनिट रक्तदान हुआ, जबकि भव्य महाभंडारे में 4000 से अधिक श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। रक्तदान शिविर का समन्वय प्रेरणा सेवा ट्रस्ट, हमीदिया अस्पताल परिसर द्वारा किया गया। रक्तदाताओं द्वारा दिए गए रक्त को हमीदिया अस्पताल के ब्लड बैंक को जरूरतमंद मरीजों के उपचार

में उपयोग के लिए प्रदान किया गया। शिविर में युवाओं के साथ युवतियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया, जो आयोजन की महत्वपूर्ण विशेषता रही। प्रेरणा सेवा ट्रस्ट की ओर से जयप्रकाश विजयवर्गीय, श्रीमती अंजू मलिक, श्रीमती कविता छाबड़ा, ललिता खाव्या, श्रीमती पिंकी सहोता, श्री शिव मोहन माथुर, जगजीत सिंह एवं श्री कन्हैयालाल गोदानी उपस्थित रहे और रक्तदान शिविर के समन्वय में सहयोग प्रदान किया। समिति के अध्यक्ष राहुल राय ने कहा कि 25 वर्षों की यह यात्रा समाज के सहयोग, सदस्यों की निष्ठा और सेवा भावना का परिणाम है। कोषाध्यक्ष श्री शिवांश मलिक एवं सचिव श्री मुनि मेहता ने आयोजन को सफल बनाने के लिए दानदाताओं, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। आयोजन की सफलता में वरिष्ठ मार्गदर्शक श्री विनोद गुप्ता एवं श्री अशोक गुप्ता, मार्गदर्शक श्री मनीष अग्रवाल एवं श्री श्रीश अग्रवाल तथा समिति के प्रमुख सदस्यों तनु शर्मा, डॉ. योगेंद्र साहू, नितिन गौर, आयुष तिवारी, विकास पाठक, पृथ्वी डंग, श्रेष्ठ डंग, अंशुल साहू सहित समस्त कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। समिति ने संकल्प व्यक्त किया कि धार्मिक आस्था के साथ रक्तदान, सेवा और जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाते हुए भविष्य में भी समाजहित के कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे।

हास्य कवि सम्मेलन में कवि बांधेंगे समां

उत्कृष्ट राजभाषा कार्य के लिए रेल अधिकारी एवं कर्मचारी होंगे सम्मानित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राजभाषा पखवाड़ा-2026 का समापन समारोह 26 सितंबर 2026 (शनिवार) को दोपहर 3:00 बजे नर्मदा क्लब ऑडिटोरियम, हबीबगंज में आयोजित किया जाएगा। समारोह में वर्ष 2025-26 के दौरान राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मंडल रेल प्रबंधक, भोपाल श्री पंकज त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर राजभाषा के प्रति रेलकर्मियों की प्रतिबद्धता, हिंदी के प्रभावी प्रयोग तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाएगा। भोपाल मंडल में 14 सितंबर 2026 से आयोजित राजभाषा पखवाड़े के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें अधिकारी प्रश्न मंच, टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता, हिंदी निबंध प्रतियोगिता, वाक् प्रतियोगिता तथा कर्मचारी प्रश्नमंच प्रतियोगिता प्रमुख रहे। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से रेलकर्मियों को हिंदी में रचनात्मक अभिव्यक्ति, कार्यालयीन लेखन एवं राजभाषा के व्यावहारिक प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिताओं में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी रुचि एवं प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। समापन समारोह में पुरस्कार वितरण के पश्चात हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। देश के विभिन्न विषयों पर

हास्य एवं व्यंग्य की रचनाओं के माध्यम से कविगण अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मनोरंजन करेंगे। इससे समारोह में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिलेगा।भोपाल मंडल द्वारा राजभाषा हिंदी के सरल, सहज एवं प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राजभाषा पखवाड़े जैसे आयोजन न केवल हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि रेलकर्मियों को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित भी करते हैं। भोपाल मंडल का उद्देश्य है कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग कार्यालयीन कार्यों के साथ-साथ यात्रियों एवं आमजन के साथ संवाद में भी सरल, सहज और प्रभावी रूप से किया जाए, जिससे रेलवे की सेवाओं और सूचनाओं का व्यापक स्तर पर सुगम संप्रेषण सुनिश्चित हो सके।

बरगी बांध के 5 गेट खुले, नर्मदा का जलस्तर 3 से 4 फीट बढ़ा

पितृपक्ष में घाटों पर बढ़ेगी श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा व्यवस्था की चुनौती

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

बरगी बांध में लगातार बढ़ रहे जलभराव को नियंत्रित करने के लिए शुक्रवार शाम 6 बजे बांध के पांच जलद्वार एक-एक मीटर खोल दिए गए। इससे नर्मदा नदी के घाटों पर जलस्तर में करीब 3 से 4 फीट की वृद्धि हुई है। बांध प्रबंधन ने लोगों से नर्मदा के घाटों और तटीय क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। शुक्रवार दोपहर 3 बजे बरगी बांध का जलस्तर 422.90 मीटर दर्ज किया गया। बांध की वास्तविक उपयोगी जल भंडारण क्षमता 3180 एमसीएम के मुकाबले जल भंडारण 3217 एमसीएम यानी 101.16 प्रतिशत पहुंच गया था। बांध में पानी की आवक 763 क्यूमेक दर्ज की गई। जलभराव क्षेत्र में बारिश और मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए जलस्तर नियंत्रित करने के लिए 780 क्यूमेक पानी छोड़े जाने का निर्णय लिया गया। बांध प्रबंधन के अनुसार पानी की आवक के आधार पर जल निकासी की मात्रा को आवश्यकता के अनुसार घटाया या बढ़ाया जा सकता है। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु नर्मदा घाटों पर पहुंचे थे। अगले दो तीन दिनों तक ही खासकर देहात क्षेत्रों में नर्मदा किनारे विसर्जन प्रक्रिया चलती रहेगी अगले दो तीन दिनों तक ही खासकर देहात क्षेत्रों में नर्मदा किनारे विसर्जन प्रक्रिया चलती रहेगी वहीं कल रविवार से पितृपक्ष शुरू होने के कारण

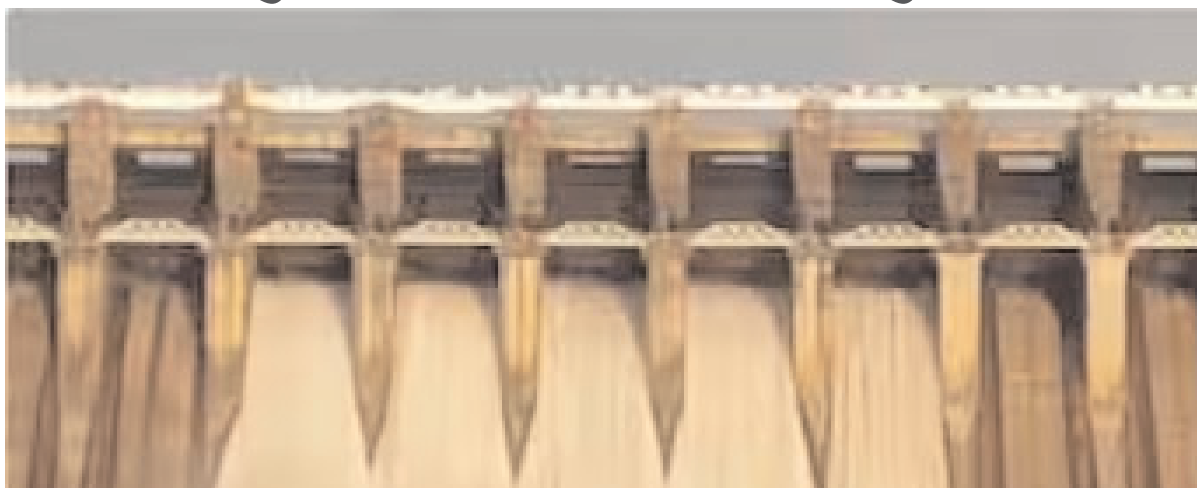

नर्मदा घाटों पर तर्पण और पिंडदान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने की संभावना है। ऐसे में बढ़े हुए जलस्तर के बीच घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। जलस्तर बढ़ने से घाटों की सीढ़ियों का बड़ा हिस्सा पानी में डूब गया है। ऐसे में श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकने, संवेदनशील घाटों पर बैरिकेडिंग करने और पर्याप्त सुरक्षा बल व बचाव दल तैनात करने की जरूरत होगी। प्रशासन और पुलिस को पितृपक्ष के दौरान घाटों पर विशेष निगरानी रखनी होगी, ताकि धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो। बांध से पानी छोड़े जाने की मात्रा में बदलाव होने पर नर्मदा का जलस्तर भी आगे घट-बढ़ सकता है।

ब्रिज बंद, रास्ता बदला, फिर भी 24 दिन वसूला टोल.....!

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के पत्र के बाद गडकरी ने दिए टोल रोकने के निर्देश

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहपुरा रेलवे ओवरब्रिज बंद है, यातायात डायवर्ट है और वाहन चालकों को लंबा चक्कर लगाकर पाटन के रास्ते आना-जाना पड़ रहा है। इसके बावजूद शहपुरा टोल प्लाजा पर वसूली जारी थी। करीब 24 दिन तक चली इस वसूली पर अब विराम लग गया है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की पहल के बाद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शहपुरा टोल प्लाजा पर तत्काल प्रभाव से टोल वसूली रोकने के निर्देश दिए हैं। करीब 400 करोड़ रुपये की लागत से बने शहपुरा रेलवे ओवरब्रिज का एक हिस्सा फरवरी 2026 में क्षतिग्रस्त हुआ था। सुरक्षा कारणों से मुख्य मार्ग पर यातायात बंद कर दिया गया। वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से निकाला गया, लेकिन अधिक दबाव के चलते वह संपर्क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद जबलपुर-भोपाल मार्ग का यातायात पाटन की ओर डायवर्ट करना पड़ा। फिर भी टोलब्रिज बंद होने के कारण वाहन चालकों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इसके साथ ही समय और ईंधन का खर्च भी बढ़ गया। ऐसे में बंद मार्ग के टोल प्लाजा पर वसूली जारी रहने का मुद्दा लगातार उठ रहा था। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने करीब चार सप्ताह पहले भोपाल में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में टोल वसूली बंद करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद वसूली जारी रही। टोल संचालन से जुड़े पक्ष की ओर

से एनएचएआई के लिखित निर्देश नहीं मिलने का हवाला दिया गया। मामले में राकेश सिंह ने 22 सितंबर को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र भेजकर शहपुरा आरओबी का काम पूरा होने तक टोल वसूली स्थगित करने का अनुरोध किया। पत्र में ब्रिज की क्षतिग्रस्त एप्रोच और सुरक्षा कारणों से यातायात डायवर्ट किए जाने की स्थिति से केंद्र को अवगत कराया गया। इसके बाद केंद्र की ओर से टोल वसूली तत्काल रोकने के निर्देश जारी किए गए हैं। यानी जिस रास्ते पर फिलहाल वाहन सुरक्षित रूप से गुजर ही नहीं सकते, वहां टोल देने की बाध्यता भी अब खत्म होगी। शहपुरा ओवरब्रिज की तकनीकी स्थिति की जांच विशेषज्ञों की टीम द्वारा की जा रही है। जांच और तकनीकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण की प्रक्रिया तय होगी। जब तक ब्रिज सुरक्षित आवागमन के लिए तैयार नहीं होता, तब तक यातायात वैकल्पिक मार्गों से ही संचालित किया जाएगा। 24 दिन तक चली टोल वसूली के बाद अब केंद्रीय निर्देश से वाहन चालकों को आर्थिक राहत मिलेगी। हालांकि, ब्रिज के पुनर्निर्माण और यातायात व्यवस्था सामान्य होने का इंतजार अभी बाकी है।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने डुंगरिया और सालीवाड़ा में ट्रीटमेंट प्लांट के विकास कार्यों किया निरीक्षण

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने शुक्रवार को बरगी बांध रोड स्थित डुंगरिया में पड़वार-पड़रिया मल्टी विलेज पेयजल योजना के तहत निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण की प्रगति और परियोजना से जुड़ी जानकारी ली। इसके बाद बरगी बांध पहुंचकर बैकवाटर एवं जलभराव क्षेत्र में निर्माणाधीन इंटेक वेल तथा अन्य जल संरचनाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत सहित जल निगम के अधिकारी मौजूद रहे। सालीवाड़ा में शुद्ध पेयजल केंद्र का शुभारंभ .... कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत ने ग्राम पंचायत सालीवाड़ा (गौर) का भी निरीक्षण किया। यहां सामुदायिक शुद्ध पेयजल केंद्र का शुभारंभ किया गया। केंद्र पर ग्रामीणों को एक लीटर ठंडा पेयजल एक रुपये और सामान्य पेयजल 50 पैसे में उपलब्ध होगा। इसके बाद कलेक्टर ने पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण कर कक्षाओं में शैक्षणिक गतिविधियां देखीं और विद्यार्थियों से चर्चा की। पंचायत भवन में उन्होंने उपलब्ध सुविधाओं तथा संबल योजना और आयुष्मान कार्ड के पात्र हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली। एकता मार्केट तिराहा के पास हाउसिंग बोर्ड के निर्माणाधीन भवनों का भी अवलोकन किया।

नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत व्याख्यान

जबलपुर। सेंट अलॉयसियस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गौर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' विषय पर विशेष व्याख्यान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अशोक रोहाणी ने युवाओं को स्वस्थ भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया। वहीं नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज ने भी नशा मुक्ति के संबंध में अपने विचार दिये। रेडक्रॉस सोसाइटी से सुनील गर्ग ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करते हुए नशामुक्ति की शपथ दिलाई। शिविर में विद्यार्थियों व शिक्षकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया।

विधिक साक्षरता शिविर में विद्यार्थियों को बताए कानून के अधिकार

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय जी.सी.एफ. क्रमांक-1 में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। सिविल जज सुश्री सिमरन गुप्ता, सुश्री अपर्णा सोनी और सुश्री ऋतु प्रजापति ने विद्यार्थियों को बाल अधिकार, साइबर कानून, यातायात नियम और विधिक सहायता से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। सिविल जज सुश्री ऋतु प्रजापति ने हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात संकेतों के पालन पर जोर दिया। सुश्री अपर्णा सोनी ने साइबर बुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, संदिग्ध लिंक, ओटीपी और पासवर्ड की सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया। सुश्री सिमरन गुप्ता ने बाल संरक्षण कानूनों तथा न्यायिक सेवा में करियर की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन दिया। जिला विधिक सहायता अधिकारी बी. डी. दीक्षित ने निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी। अंत में प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विद्यार्थियों की कानूनी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। रजनीश सिंघई सहित शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर भाजपा ने किया नमन

भारतीय जनसंघ के महान विचारक, संगठनकर्ता व एकात्म मानववाद के प्रणेता थे पंडित दीनदयाल

■ एक सत बुलेटिन, कटनी।

भारतीय जनता पार्टी महानगर जबलपुर द्वारा भारतीय जनसंघ के महान विचारक, संगठनकर्ता एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें नमन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पं. दीनदयाल चौक स्थितप्रतिमा पर भाजपा द्वारा माल्यार्पण कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि, जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, महामंत्री पंकज दुबे, अमित सोनू बचवानी, निशक्त जन कल्याण प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक संदीप रजक ने उपस्थित होकर पं दीनदयाल जी को नमन किया। साथ ही जिले के सभी 1041 बूथों में प दीनदयाल जी के चलचित्र पर उन्हें पुष्प अर्पित कर

उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार का मूल उद्देश्य यही था कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इस अवसर पर तृष्णा चटर्जी, प्रणीत वर्मा, संकल्प पाठक, रीना राय, योगेश बिलोहा, पुष्पराज पांडे, राजेश तिवारी, श्रीराम शुक्ला, दिलीप दुबे, जयकांत उपाध्याय, राजेश रोहरा, भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठजन उपस्थित थे।

आज शाम और कल सुबह होगी पानी की किल्लत

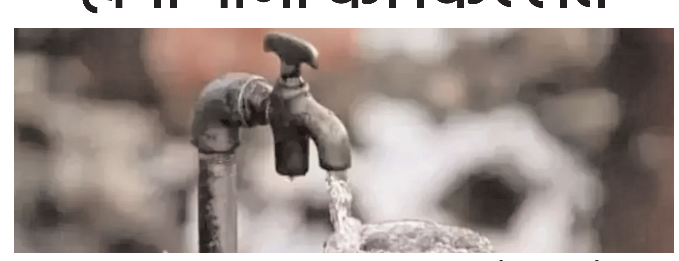

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि नर्मदा जल प्रदाय योजना के अंतर्गत 120 एम.एल.डी. रमनगरा जल शोधन संयंत्र के राइजिंग मेन में 1200 एम.एम. का बटरफ्लाई वाल्व में लीकेज सुधार का कार्य किया जाना है। सुधार कार्य के चलते उक्त संयंत्र से आज दिनांक 26 सितम्बर 2026 को सायंकालीन से लेकर कल दिनांक 27 सितम्बर 2026 प्रातःकालीन तक जलापूर्ति प्रभावित हरेगी। उक्त संयंत्र से भरी जाने वाले टंकियां क्रमशः बिडला धर्मशाला, मेडिकल, त्रिपुरी, गुलौआ, राईट टाउन, रामेश्वरम, मनमोहन नगर, लक्ष्मीपुर, कोतवाली, मोतीनाला, आनंद नगर, लेमा गार्डन, सर्वोदय नगर, मदर टैरेसा, बेदी नगर, मिल्क स्कीम, किलकारी गार्डन, न्यू शोभापुर व राजीव नगर तथा अमृत योजनांतर्गत देवताल उच्चस्तरीय टंकियों से जलापूर्ति अवरूद्ध रहेगी। उक्त अतिमहत्वपूर्ण कार्य के चलते क्षेत्रीय नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', जल प्रभारी दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने खेद व्यक्त किया है। प्रभावित क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी। यह कार्य पूरा होते ही क्षेत्र में जलापूर्ति पहले से अधिक सुचारू और प्रभावी ढंग से बहाल कर दी जाएगी।

मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों के स्टाफ के साथ वर्चुअल माध्यम से बैठक आयोजित

रेलवे अधिकारियो द्वारा स्टेशनों पर बढ़ने वाली भीड़ प्रबंधन की समीक्षा

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

आगामी नवरात्रि, दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान स्टेशनों पर बढ़ने वाली संभावित यात्री भीड़ को ध्यान में रखते हुए मंडल रेल प्रबंधक, जबलपुर कमल कुमार तलरेजा की अध्यक्षता में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों के स्टाफ के साथ वर्चुअल माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में भीड़ प्रबंधन, यात्री सुविधाओं तथा स्टेशन व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक दिनेश कुमार कलामे एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक अभय कुमार गुप्ता, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक प्रिंस विक्रम, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त मुनव्वर खान एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक गुन्नार सिंह सहित मंडल के शाखा अधिकारी उपस्थित रहे। वर्चुअल बैठक में जबलपुर, मदन महल, कटनी, सतना, मैहर, रीवा, सागर, दमोह, ब्यौहारी सहित मंडल के अन्य स्टेशनों के स्टाफ ने भाग लिया। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी स्टेशन स्टाफ को आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की संभावित भीड़ को व्यवस्थित

रूप से संभालने तथा सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में निर्देश दिए गए कि स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे। लिफ्ट, एस्केलेटर, सफाई व्यवस्था,पेय जल, सर्कुलेटिंग एरिया, प्रकाश व्यवस्था, होल्डिंग एरिया, डिस्प्ले एवं अनाउंसमेंट सिस्टम तथा कोच गाइडेंस सिस्टम एवं यात्री सुरक्षा की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। नवरात्रि, दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान चलने वाली विशेष ट्रेनों एवं बढ़ी हुई यात्री संख्या को ध्यान में रखते हुए यथासंभव प्लेटफॉर्म परिवर्तन से बचने, यात्रियों को समय पर एवं स्पष्ट उद्घोषणा के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराने तथा स्टेशन पर उचित यात्री प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि स्टेशन पर किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर उसकी सूचना तत्काल संबंधित ग्रुप/माध्यम में अधिकारियो को साझा की जाए, ताकि उसका शीघ्र निराकरण किया जा सके।मंडल रेल प्रबंधक ने सभी विभागों एवं स्टेशन स्टाफ से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए नवरात्रि, दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान सुरक्षित, सुगम एवं सुव्यवस्थित यात्री आवागमन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा भीड़ प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए मंडल स्तर पर व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी की जाएगी।

सत विचार

ESB
एक सत बुलेटिन

जबलपुर
शनिवार 26 सितंबर 2026

संपादकीय

क्या कड़े प्रावधान से डिजिटल फ्रॉड पर लगेगा अंकुश?

भारत में तेजी से हो रहे डिजिटल बदलाव ने दूरसंचार उपकरणों, खासतौर से मोबाइल इंसान के लिए रोजमर्रा की जिंदगी, व्यापार और शासन (गवर्नेंस) का एक अभिन्न हिस्सा बना दिया है। आज हमारे मोबाइल नेटवर्क और डिवाइस डिजिटल पेमेंट, ई-गवर्नेंस, ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं और नागरिकों पर केंद्रित विभिन्न डिजिटल पहलों को सीधे तौर पर समर्थन दे रहे हैं। जैसे-जैसे इन तकनीकों पर देश की निर्भरता बढ़ती जा रही है, वैसे ही हमारे दूरसंचार नेटवर्क और डिवाइस की सुरक्षा और अखंडता (इंटीग्रिटी) को कायम रखना भी बड़ी चुनौती है, जिसमें साइबर अपराध यानी डिजिटल फ्रॉड ने बड़े पैमाने पर पांव पसार रखे हैं। हालांकि भारतीय नागरिकों के लिए भारत सरकार का संचार साथी प्लेटफॉर्म एक शक्तिशाली सुरक्षा कवच के रूप में कार्य कर रहा है लेकिन डिजिटल फ्रॉड का दायरा भी कम नहीं हुआ है। शायद इसी चुनौती का मुकाबला करने की दिशा में भारत सरकार ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट के तहत दूरसंचार उपकरणों मोबाइल हैंडसेट और अन्य टेलीकम्युनिकेशन डिवाइस के आईएमईआई नंबर के साथ छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ नियमों को अत्यंत सख्त करते हुए कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। अब सवाल यही है कि क्या भारत सरकार द्वारा सख्त किये गये नियमों और प्रावधानों से देश में डिजिटल फ्रॉड पर लगाम लग पाएगी?

भारत में आज की दूरसंचार यात्रा शानदार तकनीकी प्रगति और सामूहिक जिम्मेदारी, दोनों का अनूठा संगम नजर आता है। दूरसंचार विभाग के जुलाई के आंकड़ों के मुताबिक देश में सक्रिय वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबरों की संख्या 1,204.01 मिलियन के आंकड़े को पार कर चुकी थी। सब्सक्राइबरों की यह विशाल संख्या भारत के जुड़े हुए डिजिटल इकोसिस्टम के व्यापक दायरे को दशार्ती है। देश में लागू मजबूत कानूनी प्रावधान, उन्नत सरकारी वेरिफिकेशन टूल्स (जैसे संचार साथी और डिवाइस सेतु) और नागरिकों के बीच बढ़ती हुई तकनीकी जागरूकता मिलकर हमारे डिजिटल नेटवर्क को पूरी तरह सुरक्षित और भरोसेमंद बनाते हैं। इस डिजिटल भरोसे को बनाए रखने में सरकार, उद्योग जगत और आम यूजर्स प्रत्येक हितधारक की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। एक जागरूक, सतर्क और हर नियम से वाकिफ नागरिक ही किसी भी प्रकार के डिजिटल फ्रॉड और तकनीकी छेड़छाड़ के खिलाफ सबसे मजबूत सुरक्षा कवच साबित होता है। सरकार और समाज के निरंतर आपसी सहयोग से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए भारत की डिजिटल कनेक्टिविटी पूरी तरह सुरक्षित, संप्रभु और मजबूत बनी रहेगी।

देश में तीव्र डिजिटल विस्तार अपने साथ सुरक्षा से जुड़ी कई नई और जटिल चुनौतियां भी लेकर आया है। इनमें से एक सबसे गंभीर चिंता इंटरनेशनल मोबाइल इक्विपमेंट आइडेंटिटी (आईएमईआई) नंबर के गलत इस्तेमाल या उससे छेड़छाड़ से जुड़ी है, जिसकी वजह साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। आईएमईआई नंबर के साथ छेड़छाड़ या उसके अनधिकृत संशोधन के कारण बदली हुई पहचान वाले उपकरणों का इस्तेमाल आसान हो जाता है, जिससे दूरसंचार नेटवर्क पर किसी भी डिवाइस की असली पहचान करना बेहद कठिन हो जाता है। इस तरह की हरकतें कानून लागू करने वाली एजेंसियों, उपभोक्ता सुरक्षा और समग्र राष्ट्रीय नेटवर्क सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करती हैं। इसलिए, एक सुरक्षित, भरोसेमंद और मजबूत दूरसंचार इकोसिस्टम को बनाए रखने के लिए डिवाइस आइडेंटिफायर (पहचानकताओं) की अखंडता को मजबूत करना आज के समय की सबसे बड़ी मांग है।

टेलीकॉम नेटवर्क की भाषा आईएमईआई की तकनीकी बनावट और इसकी कार्यप्रणाली को समझना हर जागरूक नागरिक के लिए जरूरी है। आईएमईआई एक विशिष्ट 15 अंकों का नंबर होता है जो दुनिया भर के दूरसंचार नेटवर्क पर किसी भी मोबाइल डिवाइस की अनूठी पहचान करता है। आईएमईआई नंबर के शुरूआती आठ अंक 'टाइप एलोकेशन कोड' बनाते हैं, जो सीधे तौर पर डिवाइस के मॉडल या उसके विशेष प्रकार की पहचान करते हैं। 'ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन' टीएसी के वैश्विक आवंटन (एलोकेशन) की देखरेख करता है। जीएसएमए निमार्ताओं और ब्रांड मालिकों को टीएसी जारी करता है।

मजहबी असहिष्णुता का राग

हिंदुत्व को गलत तरीके से परोसने वाले यही नेता तब मौन रहते हैं, जब इंदिरा गांधी की हत्या के बाद तीन हजार सिखों की हत्या कर दी जाती है और 90 के दशक में पांच लाख से भी ज्यादा हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन मतावलंबियों को रातों-रात कश्मीर में मस्जिदों से यह ऐलान कर कि ह्यपंडित अपनी बहु-बेटियों को छोड़कर चले जाएंह्न खदेड़ दिया जाता है। ये लोग कश्मीर के इस्लामीकरण और केरल एवं पूर्वोत्तर राज्यों के ईसाईकरण पर मौन रहते हैं।

प्रमोद भार्गव

> चार पायों पर टिका भारतीय लोकतंत्र इतना मजबूत है कि यहां कोई भी अलोकतांत्रिक नेता या दल लंबे समय तक शासन व्यवस्था में टिका नहीं रह सकता। इंदिरा गांधी द्वारा थोपा गया आपातकाल कितने दिन टिक पाया? लिहाजा राजनीतिक दलों और मीडिया ने भले दलीय प्रणाली को व्यक्ति केंद्रित आयाम दिया हो, किंतु उनकी स्थिरता तभी कायम रह सकती है जब वे सामाजिक सरोकारों और नागरिक हितों से निरंतर जुड़े रहें।

देश के दस साल उपराष्ट्रपति रहे हामिद अंसारी ने एक बार फिर ऐसा कटुता भरा बयान दिया है, जो समरसतावादी हिंदू धमार्लंबियों के लिए आधात देने वाला है। संविधान विषेशज्ञ और लेखक एजी नूरानी की ही 2019 में छपी पुस्तक द आरएसएसः ए मीनेस टू इंडिया का हवाला देते हुए अंसारी ने बताया कि जवाहरलाल नेहरू ने चिंता जताई थी कि भारत के लिए साम्यवाद की बजाय हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता एक बड़ा खतरा है। नूरानी पर केंद्रित इस व्यख्यान में अंसारी ने नागरिक राश्ट्रवाद के स्थान पर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के उभार पर भी चिंता जताते हुए कहा कि ऐसी प्रवृत्तियां चुनावी बहुमत को धार्मिक बहुमत के रूप में पेश कर सकती हैं और नागरिकों को धर्म के आधार पर अलग कर सकती है।

अंसारी ने इस तरह का बयान पहली बार नहीं दिया है, वह देश से लेकर विदेश तक हिंदू-मुस्लिमों के बीच अलगाववाद के बयान देकर उसे उभारने का निरंतर काम कर रहे हैं। उनका कभी भी दोनों संप्रदायों के बीच एकता बढ़ाने वाला भाव देखने में नहीं आया है। जबकि वह बहुसंख्यक हिंदू समाज ही है, जिसने सामाजिक विविधता का ध्यान रखते हुए उनके दस साल के उपराष्ट्रपति पद पर रहने के दौरान कभी अस्वीकार्यता नहीं जताई।

इसके पहले अंसारी ने अमेरिका की धरती से भी जिस असहिष्णुता के बढ़ने का राग अलापा था, वह उनकी छदम् धर्मनिरपेक्षता के साथ भारत विरोधी सोच को भी उजागार करता है। यह सोच और इस तरह के बयान शर्मनाक हैं। यह बयान भी उन्होंने अमेरिका में आयोजित उस संस्था इंडियन-अमेरिकन मुस्लिम आउंसिल के कार्यक्रम में दिया, जिस पर भारत में दंगे कराने और पाकिस्तानी गुप्तचर संस्था आईएसआई के इशारे पर सांप्रदायिक मजहबी अजेंडा आगे बढ़ाने के आरोप हैं।

अंसारी की गिनती अब उन पूर्वाग्रही बौद्धिकों में होती है, जिनका धर्मनिरपेक्षता से कोई सरोकार नहीं है। कई देशों में भारतीय राजदूत रहने के बावजूद उनकी संकीर्ण सोच और धार्मिक कट्टरता बार-बार सामने आती रही है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में देश विभाजन के जिम्मेदार जिन्ना की तस्वीर हटाने के विवाद में हस्तक्षेप कर यह कहकर बचाव किया था कि यदि कोलकाता में विक्टोरिया मेमोरियल हो सकता है, तब एएमयू में जिन्ना की तस्वीर पर ऐतराज क्यों? वे कोरोना महामारी के संदर्भ में तब्लीगियों और सांप्रदायिक दंगों के लिए कुख्यात पीएफआई का भी बचाव कर चुके हैं। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार को अंसारी आक्रामक राष्ट्रवाद का प्रतीक बताते हुए कह रहे हैं कि भारत में धार्मिक बहुमत वाली आबादी को राजनीति में एकाधिकार दे दिया गया है और इस आधार पर धार्मिक असहिष्णुता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

देश के शीर्ष संवैधानिक पदों पर बैठ चुके ऐसे व्यक्ति से यह उम्मीद बेमानी है कि उन्होंने दायित्व निर्वहन के दौरान अपनी कार्य-संस्कृति में धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का ईमानदारी से निर्वहन किया होगा? गौरतलब है कि मोदी संविधान आधारित लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया का पालन कर तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं।

हमारे यहां वैचारिक पूर्वाग्रह इतने मजबूत हैं कि इनकी जड़ता किसी भिन्न वैचारिकता को उभरने का अवसर मिलते ही अकसर कुंद और संकीर्ण हो जाती है। अतएव कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद अपनी किताब सनराइज ओवरः नेशनहुड इन अवर टाइम्स में हिंदुत्व की तुलना क्रूरतम आतंकी संगठन बोको हरम और आईएसआईएस से करके अपनी अंदरूनी मजहबी कट्टरता को फैलाने में कोई संकोच नहीं करते। इसी क्रम में आग में घी डालने का काम राशिद अल्वी ने भी किया था। उन्होंने कहा कि जय श्रीराम का नारा लगाने वाले सब मुनि नहीं घोर निशाचर होते हैं।

हिंदुत्व को गलत तरीके से परोसने वाले यही नेता तब मौन रहते हैं, जब इंदिरा गांधी की हत्या के बाद तीन हजार सिखों की हत्या कर दी जाती है और 90 के दशक में पांच लाख से भी ज्यादा हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन मतावलंबियों को रातों-रात कश्मीर में मस्जिदों से यह ऐलान कर कि पंडित अपनी बहु-बेटियों को छोड़कर चले जाएं खदेड़ दिया जाता है। ये लोग कश्मीर के इस्लामीकरण और केरल एवं पूर्वोत्तर राज्यों के ईसाईकरण पर मौन रहते हैं।

अंसारी समेत ये सब वे चुके हुए नेता हैं, जो अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए अलगाववादी अजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। कमोबेश यही रवैया तथाकथित मार्क्सवादी बुद्धिजीवियों का है। दरअसल, सत्ता परिवर्तन और राष्ट्रवादी विचारधारा की देश की बहुसंख्यक आबादी में बढ़ती स्वीकार्यता से ये लोग बौराकर वैचारिक ध्रुवीकरण की ओर देश को धकेल रहे हैं। हालांकि अब धार्मिक बहुमत देने वाली आबादी को राजनीति में एकाधिकार देने वाले नरेंद्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इतना आगे निकल चुके हैं कि उन्हें एकाएक सांप्रदायिक, तानाशाह अथवा फासिस्ट कहकर खारिज करना आसान नहीं है। उन्हें असहिष्णु , आततायी और मुस्लिम विरोधी घोषित करने की प्रतियोगिताएं बुद्धिजीवी तबकों में जितनी हुई हैं, उत्तरोत्तर उनकी स्वीकार्यता उतनी बढ़ती जा रही है क्योंकि इन्हें नकारने की कोशिशें एकपक्षीय रही हैं। यही लोग कांग्रेस, तृणमूल, समाजवादी पार्टी के अनर्गल और धर्मनिरपेक्षता विरोधी मंसूबों पर होठ सिल लेते हैं। इसी का परिणाम है कि पश्चिम बंगाल में इकतरफा मुस्लिम वोटबैंक के बूते राज करने वाली ममता बनर्जी का भाजपा ने सूपड़ा साफ कर दिया।

दरअसल, संप्रदाय बनाम धार्मिक उन्माद की चिंताएं अपनी जगह एक मर्तबा जायज हो सकती हैं लेकिन बौद्धिक निष्पक्षता समाज में तभी प्रभावी दिखाई देगी, जब अंसारी जैसे उपराष्ट्रपति रह चुके लोग सांप्रदायिक वैमनस्यता से जुड़े प्रत्येक घटनाक्रम से मुठभेड़ करते दिखाई दें। यह नहीं कि धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक व्यवस्था में हिंदू सांप्रदायिकता की काट मुस्लिम सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने अथवा उसे संरक्षण देने में देखी जाए? हमारा संविधान तो वैसे भी केवल हिंदुओं को संरक्षण देने का अधिकार नहीं देता। वह सभी धर्मावलंबियों को आजीविका व प्रगति के समान अवसर देता है।

वन्देमातरम बनाम धर्मनिरपेक्षता की आड़ में भारत को बर्बाद करने का षड्यंत्र!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक व्यक्ति को अंतःकरण की स्वतंत्रता और धर्म मानने, आचरण करने तथा प्रचार करने का अधिकार देता है। अनुच्छेद 26 धार्मिक संप्रदायों को धार्मिक और धर्मार्थ संस्थाएं स्थापित करने, धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने तथा कानून के अनुसार संपत्ति रखने और उसका प्रशासन करने का अधिकार देता है। अनुच्छेद 27 किसी विशेष धर्म के प्रचार या संरक्षण के लिए विशेष रूप से लगाए गए कर के संबंध में सुरक्षा प्रदान करता है। इसका अर्थ यह हुआ कि धर्मनिरपेक्षता किसी धर्म को मिटाने की व्यवस्था नहीं है। यह राज्य को किसी विशेष धर्म का पक्षकार बनने से रोकते हुए नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करती है, इसलिए जब वंदेमातरम् के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता की दुहाई दी जाती है तो यही कसौटी अन्य मामलों में भी लागू होनी चाहिए।

वंदेमातरम को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में चल रही सुनवाई ने भारत की धर्मनिरपेक्षता की उस बहस को फिर सामने ला दिया है, जिसे अक्सर सुविधा के अनुसार अलग-अलग अर्थों में प्रस्तुत किया जाता है। प्रश्न सिर्फ यह नहीं है कि कोई व्यक्ति वंदेमातरम् गाए या न गाए। प्रश्न यह है कि भारत में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ क्या है? क्या धर्मनिरपेक्षता अकेले धार्मिक असहमति के अधिकार की रक्षा करती है या फिर राज्य की नीतियों में सभी धार्मिक समुदायों के साथ समान संवैधानिक व्यवहार की मांग भी करती है?

जब किसी राष्ट्र की मूल चेतना और उसके राष्ट्रीय प्रतीकों पर ही सवाल खड़े किए जाने लगें, तो नागरिकों के एक बड़े वर्ग में यह संशय गहराने लगता है कि क्या धर्मनिरपेक्षता का इस्तेमाल देश को वैचारिक रूप से बांटने के लिए किया जा रहा है? 22 सितंबर 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने कर्नाटक संगीतकार टी.एम. कृष्णा की याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा। याचिका में 2026 में किए गए उस संशोधन को चुनौती दी गई है, जिसके माध्यम से वंदेमातरम् को राष्ट्रगान के समान राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण कानून के दायरे में लाया गया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने संकेत दिया कि धार्मिक अथवा वास्तविक अंतरात्मा संबंधी आपत्ति के कारण वंदेमातरम् न गाने वाले व्यक्ति को आपराधिक परिणाम नहीं भुगतने चाहिए और 1986 के बिजो इमैनुएल निर्णय में स्थापित सिद्धांत लागू रहेंगे।

वस्तुतः इस कानूनी लड़ाई ने एक बार फिर राष्ट्रीय अस्मिता को न्यायालय के कटघरे में खड़ा कर दिया है, विचार करें कि क्या राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान भी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर होना चाहिए? वास्तव में वंदेमातरम् की संवैधानिक और राष्ट्रीय स्थिति पर चर्चा करते समय 24 जनवरी 1950 की संविधान सभा की कार्यवाही को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि जन गण मन राष्ट्रगान होगा और स्वतंत्रता संघर्ष में ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले वंदेमातरम् को उसके समान सम्मान और समान दर्जा दिया जाएगा। संविधान सभा की मूल कार्यवाही इसका आधिकारिक प्रमाण है।

नए कानूनी आधिकारिक तथ्य-पत्र में भी वंदेमातरम् के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया गया है। यह गीत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने रचा था, 1875 में प्रकाशित हुआ और बाद में आनंदमठ में शामिल हुआ। 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ ठाकुर ने इसे संगीतबद्ध कर गाया था। 1905 के स्वदेशी आंदोलन में यह राष्ट्रीय प्रतिरोध के एक महत्वपूर्ण प्रतीक के रूप में सामने आया। इसका इतना श्रेष्ठ इतिहास होने की स्थिति में वंदेमातरम् को बिल्कुल भी धार्मिक चश्मे से नहीं देखा जा सकता है।

संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक व्यक्ति को अंतःकरण की स्वतंत्रता और धर्म मानने, आचरण करने तथा प्रचार करने का अधिकार देता है। अनुच्छेद 26 धार्मिक संप्रदायों को धार्मिक और धर्मार्थ संस्थाएं स्थापित करने, धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने तथा कानून के अनुसार संपत्ति रखने और उसका प्रशासन करने का अधिकार देता है। अनुच्छेद 27 किसी विशेष धर्म के प्रचार या संरक्षण के लिए विशेष रूप से लगाए गए कर के संबंध में सुरक्षा प्रदान करता है। इसका अर्थ यह हुआ कि धर्मनिरपेक्षता किसी धर्म को मिटाने की व्यवस्था नहीं है। यह राज्य को किसी विशेष धर्म का पक्षकार बनने से रोकते हुए नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करती है, इसलिए जब वंदेमातरम् के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता की दुहाई दी जाती है तो यही कसौटी अन्य मामलों में भी लागू होनी चाहिए। यदि किसी धार्मिक समुदाय की आस्था, संस्था या संपत्ति से जुड़ा प्रश्न उठता है तो निर्णय समान संवैधानिक सिद्धांतों, कानून और पारदर्शिता के आधार पर होना चाहिए। आज क्या यह भारत में समानता के आधार पर कहीं होता दिख रहा है?

यहीं हिंदू समाज से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है। यदि धर्मनिरपेक्षता का अर्थ धार्मिक संस्थाओं के मामलों में राज्य की समान और निष्पक्ष भूमिका है तो मंदिरों, वक्फ संपत्तियों, चर्च संस्थाओं और अन्य धार्मिक न्यासों से जुड़े प्रशासन और संपत्ति संबंधी प्रश्नों पर भी समान संवैधानिक कसौटी लागू होनी चाहिए। वह अब तक क्यों नहीं की गई है? यह प्रश्न अवश्य पूछा जाना चाहिए कि धार्मिक संस्थाओं के प्रशासन में राज्य की भूमिका का आधार सभी समुदायों के लिए समान क्यों नहीं रखा गया है? यही बात मदरसा, चर्च या मिशनरी संस्थाओं की संपत्ति पर भी लागू होती है। क्यों उन्हें छूट दी गई है? क्यों वक्फ बोर्ड बनाया गया है? वे भारत में हलाल सर्टिफिकेट कैसे चला सकते हैं?

इसी प्रकार अल्पसंख्यक आयोग या अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय आखिर भारत में कर क्या रहे हैं? जब सभी धर्म समान होने चाहिए, राज्य की नजर में, फिर यह धर्मनिरपेक्षता की आड़ लेकर क्यों इन पर बहुसंख्यक हिन्दू समाज का धन इन अल्पसंख्यक संस्थानों पर खर्च किया जा रहा है? जिसमें कि फिर संविधान के अनुच्छेद 29 और 30 सांस्कृतिक अधिकारों तथा धार्मिक और भाषायी अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित और संचालित करने के अधिकार की रक्षा करने की जो दुहाई अक्सर दी जाती है, वह भी बंद होना चाहिए।

क्योंकि देश के प्रत्येक बच्चे को समान शिक्षा का अधिकार है, इसलिए वह अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक नहीं हो सकती है, पर व्यवहार में क्या हो रहा है, वह आज सामने है। अल्पसंख्यक स्कूल, कॉलेज उनकी अपनी व्यवस्था जिसमें कि वे आरटीई के बच्चों के प्रवेश भी नहीं लेते हैं! क्या यही चयनित धर्मनिरपेक्षता होनी चाहिए? जिसमें सिर्फ बहुसंख्यक होने के कारण से उस समाज के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाएगा!

अरे, जन्म लेनेवाले बच्चे को तो पता ही नहीं होता कि वह कहां जन्म ले रहा है, लेकिन यहां तो बहुसंख्यक समाज में जन्म लेने के कारण वह उन तमाम सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है जोकि एक राज्य के नागरिक के रूप में उसके अन्य किसी दूसरे नागरिक के समान ही बराबर के अधिकार होने चाहिए थे। ऐसे में जो धर्मनिरपेक्षता के नाम पर वन्देमातरम् का विरोध कर रहे हैं, फिर तो उनके लिए भारत सरकार का अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय वर्तमान में मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी समुदायों को अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के रूप में लेकर विभिन्न योजनाएं संचालित करता है, इस व्यवस्था को खत्म कर देना चाहिए।

वास्तविकता तो यही है कि भारत की सभ्यता, संस्कृति और सार्वजनिक जीवन में हिंदू परंपरा की ऐतिहासिक भूमिका को आज संपूर्ण विश्व स्वीकार्य कर रहा है। भारत की सांस्कृतिक विरासत में हिंदू दर्शन, परंपराओं, तीर्थों, साहित्य, कला और सामाजिक संस्थाओं का अत्यंत व्यापक योगदान है, इसलिए हिंदू समाज के सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा और अन्य समुदायों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा को एक-दूसरे के विरोध में खड़ा करना समस्या का समाधान नहीं है। समानता का अर्थ यही है कि बहुसंख्यक नागरिक के अधिकार भी उतने ही वास्तविक माने जाएं जितने अल्पसंख्यक नागरिक के भारत में 1950 से संविधान लागू होने के समय से माने जा रहे हैं।

वस्तुतः जब नीति-निमार्ता सिर्फ एक वर्ग के अधिकारों के संरक्षण के प्रति अति-संवेदनशील दिखाई देते हैं और बहुसंख्यक समाज की ऐतिहासिक धरोहर व उसके मौलिक नागरिक अधिकारों की बात पर मौन साध लेते हैं, तब सामाजिक असंतोष का उत्पन्न होना स्वाभाविक है। ऐसे में कहना यही है कि वंदेमातरम् के नाम पर धर्मनिरपेक्षता को चयनात्मक ढंग से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। यदि धार्मिक स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है तो वह हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और हर दूसरे नागरिक के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। यदि राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान आवश्यक है तो उसकी अपेक्षा भी सभी से समान होनी चाहिए। यदि धार्मिक संस्थाओं को कानून के अनुसार अपने मामलों का संचालन करने का अधिकार है तो राज्य का नियमन भी समान संवैधानिक कसौटी पर होना चाहिए।

भारत को किसी एक समुदाय की धार्मिक श्रेष्ठता या किसी दूसरे समुदाय की राजनीतिक विशेषाधिकार व्यवस्था से नहीं चलाने का प्रयास किया जाना चाहिए। जोर समान नागरिक अधिकारों और समान कानून से मजबूती पर होना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता यदि वास्तव में संविधान का मूल्य है तो उसे आधी-अधूरी सुविधा के रूप में नहीं, पूर्ण संवैधानिक सिद्धांत के रूप में स्वीकार करना सभी के लिए समान रूप से अनिवार्य है।

न्यूज ब्रीफ

ग्वालियर में 30 सितम्बर एवं 01 अक्टूबर को जल प्रदाय रहेगा प्रभावित

ग्वालियर। 160 एमएलडी जल शोधन संयंत्र जलालपुर से ग्वालियर विधानसभा की ओर जाने वाली 800 एमएम व्यास की पम्पिंग मैन लाइन से चार शहर का नाका चौराहे पर 600 एमएम व्यास की नवीन डीआई पाईप लाईन से मिलान कार्य के चलते ग्वालियर विधानसभा में दिनांक 30 सितम्बर एवं 01 अक्टूबर को जल प्रदाय प्रभावित रहेगा। कार्यपालन यंत्री शिशिर श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि 160 एमएलडी जल शोधन संयंत्र जलालपुर से ग्वालियर विधानसभा की ओर जाने वाली 800 एमएम व्यास की पम्पिंग मैन लाइन से चार शहर का नाका चौराहे पर 600 एमएम व्यास की नवीन डीआई पाईप लाईन से मिलान कार्य हेतु दिनांक 29.09.2026 से 30.09.2026 तक दो दिवस का शटडाउन लिया जाना है, जिस कारण दिनांक 30.9.2026 को होने वाला सीधा जल प्रदाय एवं 01.10.2026 को टंकियों के माध्यम से ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में होने वाला जल प्रदाय प्रभावित रहेगा।

सड़क पर कचरा फैंकने वालो से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज स्वास्थ्य अधिकारी भीष्म पमनानी के निर्देशन में खुला संतर मुरार में गंदगी फैलाने वाले ठेले वालों एवं दुकानदारों से 1000 रुपए एवं भैंस डेयरी संचालक से 1000 रुपए का जुर्माना वसूला गया। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 59 में गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों से 2500 रुपए का जुर्माना वसूला गया।

स्वास्थ्य विभाग ने साफ किए 6 ब्लैक स्पॉट

ग्वालियर। ग्वालियर शहर से नगर निगम द्वारा ब्लैक स्पॉट कचरा ठीया हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज नगर निगम के स्वास्थ्य अमले द्वारा 6 ब्लैक स्पॉट खत्म किए गए। वर्तमान समय में शहर लगभग 60 प्रतिशत से अधिक ब्लैक स्पॉट खत्म हो चुके हैं।
नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशन में अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देष पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा ब्लैक स्पाट खत्म कर जगह को स्वच्छ बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि रामबाग कॉलोनी लाला का बाजार, आपागंज में जगन भैया की गली में खाली भूखण्ड पर डंप कचरा, तिल्ली फैक्ट्री गिरवाई, वीरपुर बांध के पास गिरवाई, वार्ड 30 तुलसी विहार कॉलोनी, वार्ड 65 सरदार की मल्टी सहित अन्य स्थलों को साफ किया गया तथा स्थानीय नागरिकों को समझाइश दी गई कि आज साफ किए गए स्थानों पर द्वारा अगर कचरा डाला तो जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी।

लेखा समिति में जवाब नहीं देने पर जताई नाराजगी 3 दिन में मांगा ब्यौरा

ग्वालियर। नगर निगम में वित्तीय स्थिति को जानने एवं किए जा रहे भुगतानों की वास्तविक स्थिति जांचने के लिए लेखा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुसार वित्त विभाग द्वारा जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर नाराजगी व्यक्त की और तीन दिन में सम्पूर्ण जानकारी देने के निर्देष वित्त विभाग के अधिकारियों को दिए। बैठक में लेखा समिति के अध्यक्ष अनिल सांखला ने अपर आयुक्त (वित्त) अरविंद शर्मा को निर्देशित किया कि भुगतान हेतु लंबित प्रकरणों की कारण सहित सूची, दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 31 अगस्त 2026 तक किए गए भुगतानों का विस्तृत स्टेटमेंट तथा 31 अगस्त 2026 की स्थिति में वित्तीय अवशेष की जानकारी अनिवार्य रूप से 3 दिवस के भीतर लेखा समिति के समक्ष उपलब्ध कराई जाए। लेखा समिति का उद्देश्य निगम के वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं सुव्यवस्थित वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर सदस्य महेंद्र आर्य, मनोज राजपूत, श्रीमती ममता अरविंद शर्मा सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

लंपी से पीड़ित गाय के बच्चों को पिला रहे दवा

ग्वालियर। ग्वालियर में गायों में फैले लंपी वायरस की रोकथाम के लिए नगर निगम के मदाखलत विभाग द्वारा बछडें एवं बछियाओं को दवाई पिलाई जा रही है। दवा पिलाने के बाद इन्हें रतवाई स्थित गायों के आइसोलेशन सेंटर में भेजा जा रहा है। नगर निगम द्वारा लंपी वायरस से पीड़ित गायों को आइसोलेशन सेंटर में अलग रखे जाने से वर्तमान समय में अब वायरस का प्रकोप काफी कम हो चुका है। गायों में कुछ सप्ताह से लंपी वायरस फैल रहा था। लंपी वायरस से पीडित गायों एवं बछडों को रतवाई स्थित गौशाला में बनाए आइसोलेशन सेंटर में रखा जा रहा है।

'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान' का आयोजन लगातार किया जा रहा

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शिविर में योजनाओं का तत्काल मिला लाभ

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप आम जनों को शासकीय योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान' का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इसके चलते आमजनों की शिकायतों का शिविर के माध्यम से तत्काल निराकरण हो रहा है, साथ ही आमजनों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 17 ढोली बुआ का पुल पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें आमजन से जुडी हुई 18 समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। इनमें पीएम स्वनिधि योजना के 9 प्रकरण, कामकाजी महिला का 1, कल्याणी पेंशन के 5, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 3 प्रकरणों में हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अधिकारी श्री संजीव झा, राजस्व कर संग्रहक श्री नितेष षिवहरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।
शिविर के दौरान सैकड़ों की संख्या में अन्य विभागीय व नागरिक सुविधाओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए, जिन्हें दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को समयसीमा के भीतर निराकृत करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस दौरान नगर निगम के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अगला शिविर दिनांक 9 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 10 (जिला स्तरीय शिविर), दिनांक 16 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 03 एवं 14, दिनांक 23 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 10 एवं 24, दिनांक 30 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 07 एवं 22, दिनांक 6 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 04 एवं 20, दिनांक 13 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 11 एवं 21, दिनांक 20 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 18 एवं 25, दिनांक 27 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 23, दिनांक 04 दिसम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 05, दिनांक 12 दिसम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 12, दिनांक 18 दिसम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 19, दिनांक 01 जनवरी 2027 को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 01 एवं दिनांक 8 जनवरी 2027 को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 पर शिविर आयोजित किए जाएगें।

30 दिन से अधिक लंबित शिकायतों पर अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर ने सभापति हेल्प लाइन के अंतर्गत आने वाली शिकायतों के निराकरण को लेकर की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की। सीवर समस्या एवं गंदे पानी की शिकायत को लेकर पीएचई विभाग के अधिकारियों को समस्या का निराकरण समय सीमा में करने के निर्देश दिए।
परिषद कार्यालय में स्थित बैठक में नगर निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने सभापति हेल्प लाइन के प्रकरणों की जानकारी ली जिसमें संबंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि अभी तक कुल 3570 शिकायतें प्राप्त हुई है। जिसमें 3197 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है, 373 शिकायतें लंबित है जिनका निराकरण कराया जा रहा है। जिसमें सीवर समस्या को लेकर कुल 1375 शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें से 1228 शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है। 147 शिकायतों का निराकरण सात दिवस में करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। इसके साथ ही गंदे पानी से संबंधित कुल 60 शिकायतों में से 58 शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है, दो शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 30 दिवस से अधिक की काई भी शिकायत लंबित न रहे अन्यथा संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने नोडल अधिकारी को निर्देशित किया कि जो भी शिकायत सभापति हेल्प लाइन पर आती है उससे संबंधित सहायक यंत्री के माध्यम से समय सीमा में निराकरण करायें। अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित करें।

नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख बाजारों में यातायात में बाधक हाथ ठेले वालों को हटाया

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने एवं मुख्य मार्गो को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशन में अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर एवं नोडल अधिकारी मदाखलत केशव सिंह चौहान के मार्गदर्शन में मदाखलत दलों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हाथ ठेले, फुटपाथी फड़, दुकानों के बाहर रखा सामान एवं अन्य अतिक्रमण हटवाया। जिसके तहत आज ग्वालियर विधानसभा में किलागेट रोड हजीरा चौराह, चार शहर का नाका, इंटक मैदान रोड पर यातायात में बाधक हाथठेलों द्वारा सड़क पर रखा सामान एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण हटवाकर हाकर्स जोन में भिजवाया गया और राठौर चौक नहर पटटा रोड गदाईपुरा में संबधित क्षेत्राधिकारी श्री कार्तिक पटेल द्वारा बताए गए भवन पर बने रेम्पो को जे.सी.बी. मशीन की सहायता से तुड़ाई की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही पूर्व विधानसभा में गोले के मंदिर चौराहे से एयरपोर्ट चौराहा तक रोड के दोनो तरफ फुटपाथ क्लीयर कराया और यूनपैच फैक्ट्री चौराहे से लोह पीटाओं के बने छप्परो को हटवाया गया और पिन्टो पार्क तिराह से एयरपोर्ट रोड तक खम्बो, डिवाइडरों आदि स्थानों पर लगे कट आउट बैनरों आदि को हटवाया गया। साथ ही दक्षिण विधानसभा में महाराज बाडा अर्न्तगत सुभाष मार्केट, नजर बाग मार्केट, टोपी बाजार छापाखाना स्काउट एवं मुख्य मार्गो से हाथ ठेलो. फुटपाथियों को हटाकर मुख्यमार्ग क्लीयर करवाया गया। इसके साथ ही ग्रामीण विधानसभा में पुरानी छावनी, मुख्य मार्गो से हाथ ठेलो, फुटपाथियों को हटाकर मुख्यमार्ग क्लीयर करवाया गया। साथ ही मवेशी दल कन्ट्रोलरूम पर प्राप्त शिकायतो के आधार पर शहर भर से लम्पीग्रस्त गौवंश को उठाकर उपचार हेतु आइसोलेशन सेन्टर रतवाई गौशाला छोडा गया एवं घायल बीमार गौवशं को उपचार हेतु लाल टिपारा गौशाला छोड़ा गया।

पुलिस ने इलाका भ्रमण के दौरान दो तस्करों को पकड़कर उनसे 13 किलो 128 ग्राम गांजा जप्त

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देष पर ग्वालियर जिले में अवैध मादक पदार्थो की खरीद-फरोख्त करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार एसडीओपी डबरा सौरभ कुमार के मार्गदर्षन में थाना प्रभारी डबरा सिटी उनि0 संजय शर्मा के नेतृत्व में थाना बल की टीम को इलाका भ्रमण के दौरान दिनांक 24.09.2026 को मजार के पास मगरोरा रोड़ पर डबरा में 02 व्यक्ति हाथ में विमल पान मसाला का चेन बंद थैला लिये खड़े दिखे जो संदिग्ध प्रतीत होने पर उन्हे रोककर नाम व पता पूछने पर एक ने अपना नाम गौरव सेन पिता कल्लू सेन आयु- 22 साल निवासी ग्राम बड़ी अकवई थाना पिछोर जिला ग्वालियर हाल- बस स्टैण्ड डबरा, दूसरे ने सोनेश नामदेव पिता कैलास नामदेव आयु- 24 साल निवासी श्याम विहार कॉलोनी डबरा जिला ग्वालियर का होना बताया। दोनों संदेहियों के पास से मिले विमल पान मसाला के थैलों की चेन खुलवा कर चेक किया तो उनके अन्दर अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा हुआ मिला, जिसकी तौल कराने पर उसका बजन कुल 13 किलो 128 ग्राम कीमती लगभग 01 लाख 50 हजार रूपये का होना पाया गया। दोनों व्यक्तियों से उक्त गांजा के संबंध में पूछताछ करने पर उनके द्वारा एक अन्य व्यक्ति पुष्पेन्द्र साहू निवासी चीनोर रोड़ डबरा के साथ उड़ीसा से अबैध मादक पदार्थ गाँजा लेकर आना व अभी गांजा ग्राहक को देने के लिये मजार के पास खड़ा होना बताया।

सेवा-संकल्प अभियान' के तहत 22 दल के सदस्यों ने ग्वालियर के विभिन्न स्थानों का किया भ्रमण

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

'सेवा-संकल्प अभियान' के तहत बड़नगर-वाराणसी बाइक रैली के सदस्य ग्वालियर के विभिन्न स्थानों का अवलोकन करने के साथ-साथ आम नागरिकों और शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से चर्चा कर रहे हैं। बाइक यात्रियों ने ग्वालियर के नीम पर्वत पहुँचकर स्वच्छता के लिये श्रमदान किया और नागरिकों से संवाद भी किया। ग्वालियर में बाइक यात्रियों का जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों व आम नागरिकों ने स्वागत किया और उनसे विचार-विमर्श किया। बाइक यात्री नीम पर्वत के पश्चात घाटीगांव विकासखंड के बरई पहुँचे और ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से मिले तथा उनसे विस्तार से संवाद किया। बाइक यात्रियों द्वारा ग्वालियर में पर्यटन एवं पुरातत्व महत्व के ग्वालियर दुर्ग (किला) पर भी पहुँचे और ऐतिहासिक किले का अवलोकन किया। उन्होंने यहां पर आम नागरिकों से भी विस्तार से चर्चा की और सेवा-संकल्प अभियान के संबंध में जानकारी दी। दल के सदस्यों द्वारा बताया गया कि 25 बाइक के साथ इस दल में 50 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह दल विभिन्न शहरों में नागरिकों से चर्चा करते हुए गुजरात बड़नगर पहुँचेगा।

जनहित याचिका पर की जा रही कार्यवाही को लेकर निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने की समीक्षा

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने माननीय न्यायालय में संचालित जनहित याचिका पर नगर निगम द्वारा की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, अधीक्षण यंत्री एसएल बाथम, सिटी प्लानर सुरेश अहिरवार, नोडल अधिकारी विधि अनूप लिटोरिया सहित संबंधित कार्यपालन यंत्री, नोडल अधिकारी, भवन अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निगमायुक्त श्री चौधरी ने बाल भवन में समीक्षा बैठक के दौरान मुरार नदी के संबंध में जनहित याचिका पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। इसके साथ ही जल भराव के स्थलों, होर्डिंग, रोड सहित अन्य जनहित याचिकाओं पर भी चर्चा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सड़क एवं नाली की सफाई करें नियमित

सफाई व्यवस्था में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त निगमायुक्त ने किया वार्ड 50 का निरीक्षण

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 19 के अंतर्गत वार्ड 50 में विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। जिसमें साफ सफाई व्यवस्था एवं सीवर समस्या को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि साफ सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाष्त नहीं की जाएगी। नियमित रूप से सड़कों एवं नालियों की सफाई करायें तथा सीवर समस्या का निराकरण समय सीमा में करें।
निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त द्वारा सर्वप्रथम क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 19 गोरखी गेट के सामने निरीक्षण किया तथा क्षेत्राधिकारी श्री रामू सिंह से क्षेत्रीय कार्यालय में लंबित प्रकरणों की जानकारी ली एवं उपस्थिति रजिस्टर चेक कर एक कम्प्यूटर ऑपरेटर लंबे समय से अनुपस्थित पाये जाने पर उसके खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही कर संग्रहक से सम्पत्तिकर वसूली की जानकारी ली एवं बडे बकायेदारों से वसूली करने के निर्देष दिए। इसके साथ ही माधौगंज क्षेत्र में विभिन्न गलियों का भ्रमण किया तथा पेयजल, सीवर एवं सफाई व्यवस्था को देखा तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया क्षेत्र के नागरिकों को साफ पानी मिले यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें साथ ही सीवर एवं नालियों की सफाई नियमित हो। इसके पश्चात रॉक्सी पुल का निरीक्षण किया तथा पुल के नीचे एक सीवर चेम्बर काफी ऊंचा पाया गया, उसे ठीक करने के निर्देष दिए। साथ ही रॉक्सी पुल क्षेत्र में जल भराव की समस्या का निराकरण करने के निर्देष दिए। साथ ही महाराज बाड़ा क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान मल्टीलेवल पार्किंग से आने वाले पानी को लेकर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके पश्चात रॉक्सी पुल का निरीक्षण किया तथा पुल के नीचे एक सीवर चेम्बर काफी ऊंचा पाया गया, उसे ठीक करने के निर्देष दिए। साथ ही रॉक्सी पुल क्षेत्र में जल भराव की समस्या का निराकरण करने के निर्देष दिए। साथ ही महाराज बाड़ा क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान मल्टीलेवल पार्किंग से आने वाले पानी को लेकर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गोरखी के सामने स्ट्रीट लाइट के पोल से एक लाइट उतरवाकर लाइट की छमता एवं क्वालिटी की जांच की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

चोटिल हुए कार्तिक आर्यन? कबीर खान की अगली फिल्म के लिए कर रहे थे शूटिंग

कबीर खान के निर्देशन में बन रही फिल्म में शूटिंग के दौरान कार्तिक आर्यन के घुटने में चोट लग गई। फिल्म की शूटिंग का आखिरी दौर चल रहा था और अहम एक्शन सीन आखिरी दो दिनों के लिए रखे गए थे, इसी दौरान कार्तिक को चोट लगी। कार्तिक आर्यन जिस फिल्म के लिए शूटिंग कर रहे थे, वह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। अभी इसका नाम तय नहीं किया गया है।

मुंबई में शूटिंग कर रहे कार्तिक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। एक्टर के घुटने की सर्जरी भी एक-दो दिन में होगी, जिसके बाद ठीक होने के लिए उन्हें कुछ दिन आराम करना होगा। वह कबीर की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म की शूटिंग पूरी करने के करीब हैं। ठीक होते ही उन्हें अपने दूसरे काम भी पूरे करने होंगे।

कब होगी सर्जरी?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्तिक फिल्म में खास सीन की तैयारी के लिए एक्शन कोच के साथ कड़ी ट्रेनिंग कर रहे थे। हालांकि, शूटिंग के दौरान उनके घुटने में गंभीर चोट लग गई और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने इंडिया टुडे को बताया, 'कार्तिक को अब फोर्टिस रहेजा अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर एक दिन में उनके घुटने की सर्जरी करेंगे, जिसके बाद उन्हें कुछ दिन आराम करना होगा। इसके बाद वे अपने काम पर लौट सकेंगे।'

फिर कबीर के साथ आए आर्यन

उम्मीद है कि सर्जरी के बाद कार्तिक ठीक होने पर ध्यान देने के लिए थोड़ा ब्रेक लेंगे। फिर वह काम पर लौटेंगे। आपको बता दें कि कार्तिक आर्यन, कबीर खान के साथ दूसरी फिल्म में काम कर रहे हैं। इसका नाम अभी तय नहीं है। इससे पहले वह फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। एक्टर, जिन्होंने हाल ही में 'चंदू चैंपियन' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीता है, ने फिल्म प्रोडक्शन में भी कदम रखा है।

फिल्मों ने सिखाया अनजान चीजों से डरना नहीं प्यार करना जरूरी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतिक्षित भारतीय एक्शन-ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक परतदार और बोल्ड सर्कस कलाकार का किरदार निभा रही हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया के अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग के दौरान की अपनी एक दिलचस्प तस्वीर शेयर की। तस्वीर में, एक्ट्रेस पानी से भरे एक बड़े, ट्रांसपेरेंट, कटोरे जैसे टैंक के अंदर आराम करती दिख रही हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म ने उन्हें उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना और रास्ते में नई स्किल्स सीखना सिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्में हमें ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जिसे हम कभी जानते ही नहीं, कभी-कभी तो सचमुच हर नया किरदार, नया सेट और क्रेजी चैलेंज आपको कुछ ऐसा सिखाता है, जिसके बारे में आपको पता नहीं होता है कि आप इसके काबिल भी हैं कि नहीं।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्मों ने उन्हें काफी सारी बातें सिखाई हैं। उन्होंने लिखा, 'फिल्मों ने मुझे अनजान चीजों के साथ कम्फर्टेबल, क्यूरियस, सीखते रहना और इन सबके एडवेंचर में खुशी ढूंढना सिखाया। क्योंकि मेरे लिए, ग्रोथ हमेशा उन चीजों के लिए हाँ कहने के बारे में रही है जो आपको थोड़ा डराती हैं और उसके बाद के सफ़र को पसंद करने के बारे में।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह नई स्किल्स, नए एडवेंचर और उस तरह के पैशन के लिए है जो आपको बार-बार इसमें कूदने के लिए तैयार रखता है।'

अभिनेत्री कियारा आडवाणी आगामी पैन-इंडिया गैंगस्टर फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोवन-अप्स' में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी, जहां वह 'नादिया' नाम की एक सर्कस परफॉर्मर का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुपरस्टार यश के साथ है। फिल्म के टीजर और गाने पहले ही रिलीज कर दिए जा चुके हैं, जिसमें अभिनेत्री यश के साथ कुछ बोल्ड और इंटिमेट सीन्स में नजर आई, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहे हैं। हालांकि, इस बीच फिल्म की पूरी टीम कियारा के साथ नजर आई। वहीं, कियारा का मानना है कि यह बोल्ड और मजबूत किरदार उनके अभिनय करियर का एक बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकता है। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित फिल्म में यश (डबल रोल - राया और रूमी), कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार नजर आएंगे।

दिशा पाटनी बनीं आवारापन 2 की पहली पसंद
निर्माता ने बताई कास्टिंग की कहानी

अगर हाल के दिनों में सिनेमाघरों में किसी फिल्म ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई है, तो वह 'आवारापन 2' है। पहली बार इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की जोड़ी को एक रोमांटिक ड्रामा में साथ लाने वाली यह फिल्म अपनी शानदार कहानी के साथ-साथ दोनों कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए भी चर्चा में है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसी बीच निर्माता विशेष भट्ट ने बताया कि उन्होंने दिशा पाटनी को फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर क्यों चुना। उन्होंने कहा कि दिशा का अब तक का सफर उन्हें इस किरदार के लिए बिल्कुल सही बनाता था। विशेष भट्ट कहते हैं, 'इमरान और दिशा को स्क्रीन पर साथ देखना दिलचस्प है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि इससे पहले दोनों को एक साथ देखा गया है। दिशा का अपना एक अच्छा काम है। मैंने उन्हें मोहित के साथ 'मलंग' में देखा है। मैं उनसे 2012 या 2013 में मिला था, जब उन्होंने अभी शुरुआत ही की थी।' दिशा पाटनी के बारे में विशेष भट्ट का मानना है कि उनमें उनकी खूबसूरती से कहीं ज्यादा है। वह कहते हैं, 'पिछले कुछ सालों में मुझे हमेशा लगा है कि उनका चेहरा बहुत आकर्षक है और उनकी अपनी एक खास पर्सनैलिटी है। वह जैसी हैं और हमें इस किरदार के लिए जैसी जरूरत थी, जिस तरह से यह किरदार फिल्म में आगे बढ़ता है, उसके हिसाब से वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही लग रही थीं। यह एक बहुत ही मॉडर्न और आज के समय से जुड़ा हुआ किरदार है, जो दूसरे देश में रह रहा है। यह किरदार श्रीया सरन जैसा नहीं है। दोनों के बीच जानबूझकर एक अलग तरह का कॉन्ट्रास्ट रखा गया है।' कहीं न कहीं, दिशा पाटनी को फिल्म में लेने का फैसला 'आवारापन 2' के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। इससे न सिर्फ फिल्म की विरासत को बनाए रखने में मदद मिली, बल्कि दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने में भी मदद मिली। इस साल 'ओ' रोमियो' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्मों के बाद दिशा पाटनी एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर लकी साबित हुई हैं और फिल्म की कमर्शियल सफलता में उनकी अहम भूमिका नजर आ रही है।

कच्चा बादाम फेम गर्ल अंजलि अरोड़ा का एक्टिंग डेब्यू, फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में निभाएंगी अहम भूमिका

इन दिनों राम कथा पर कई फिल्में बन रही हैं। नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस और नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' खूब चर्चा में है। इसी बीच एक और फिल्म राम कथा पर बन रही है। इस फिल्म का नाम 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' है। इस फिल्म के जरिए अंजलि अरोड़ा अपना एक्टिंग डेब्यू भी रही हैं। फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के टीजर में राम और सीता विवाह, वनवास यात्रा और रावण की झलक भी मिली है। इस फिल्म में अंजलि अरोड़ा माता सीता के रूप में नजर आएंगी। वहीं देव शर्मा भगवान राम का किरदार निभाएंगे। महोबिया फिल्म्स के प्रोडक्शन तले बनी इस फिल्म को प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला ने प्रोड्यूस किया है। अजय कनौजिया की कंपनी एजे फिल्म एंटरटेनमेंट वर्ल्ड ने इसे पेश किया है। इसके डायरेक्टर अभिषेक सिंह हैं। यह फिल्म हिंदी के अलावा छत्तीसगढ़ी भाषा में भी रिलीज होगी।

राजपाल यादव की नई फिल्म में दिखेगा बिल्कुल अलग अंदाज

राजपाल यादव का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म में दर्शकों को उनका बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि फिल्म उनके लिए एक खास सफर जैसी है, जिसे उन्होंने पिछले कई दशकों में नहीं किया है। बातचीत में राजपाल यादव ने फिल्म के बारे में बात करते हुए बताया कि 'द किंग ऑफ वंडरफुल वर्ल्ड' जिंदगी पर आधारित 12 चैप्टर्स की एक कहानी है। इस प्रोजेक्ट पर उनकी टीम काफी लंबे समय से काम कर रही है। फिल्म पर काम कोविड-19 महामारी से पहले ही शुरू हो गया था। राजपाल यादव ने बताया कि जब उन्हें फिल्म का प्रपोजल मिला तो टीम ने इसे भारतीय संस्कृति से जोड़ने का फैसला किया। उन्होंने साफ कहा कि फिल्म में किसी दूसरी फिल्म के सीन की कॉपी नहीं होगी। एक्टर ने कहा कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से अपनी कहानी और भारतीय संस्कृति पर आधारित होगा।

राजपाल यादव ने फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है। हालांकि, उन्होंने बताया कि दिवाली से पहले फिल्म का पोस्टर लॉन्च किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग भारत में होगी। इसका सेट मुंबई के गोरेगांव में तैयार किया जाएगा, लेकिन राजपाल यादव चाहते हैं कि फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड में भी हो। इसके लिए उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से शूटिंग के लिए जगह देने की अपील की है। राजपाल यादव के मुताबिक, फिल्म के 12 चैप्टर्स में दर्शकों को उनके करियर का एक ऐसा सफर देखने को मिलेगा, जो उन्होंने पिछले 40 साल में नहीं किया है।

ये फिल्में भी हैं पाइपलाइन में

वर्कफ्रंट की बात करें तो राजपाल यादव को हाल ही में 'वेलकम टू द जंगल' में देखा गया था। इसके अलावा उनके पास 'मालामाल वीकली 2' भी है। अब 'द किंग ऑफ वंडरफुल वर्ल्ड' में उनका नया अंदाज देखने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं।

कपिल के शो के कारण एक्टिंग नहीं कर पाई कलाकार के रूप में मेरे साथ ज्यादती हुई

छोटे पर्दे पर लाफ्टर क्वीन के रूप में मशहूर अर्चना पूरन सिंह ने पिछले दिनों फिल्म 'टोस्टर' की अजीबोगरीबी भूमिका निभाई थी, जिसमें खूब सराही गई। इन दिनों वह वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' के सेंट्रल रोल से चर्चा में हैं। चार दशकों से भी ज्यादा का समय इंडस्ट्री में बिता चुकी अर्चना कई सालों से कपिल शर्मा के लाफ्टर शो का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं।

मेरे साथ बहुत ज्यादती हुई

करियर की शुरुआत में अर्चना टेलीविजन पर कई मशहूर शो में अहम भूमिकाओं में दिखीं। उन्होंने 'राजा हिंदुस्तानी', 'कुछ कुछ होता है' जैसी कई फिल्मों में भी काम किया, मगर फिर कपिल शर्मा के शो ने जहां एक ओर उन्हें लाफ्टर क्वीन का खिताब दिलाया, वहीं उस शो के कारण वे कहीं न कहीं बंध-सी गई और कई बार उन्हें अच्छे रोल्स से भी हाथ धोना पड़ा। वह कहती हैं, 'आप कुछ पाते हैं और कुछ खोते हैं। एक तरफ मैं कपिल के शो में इतना बिजी और विजिबल थी और दूसरी तरफ मैं बाहर काम नहीं कर पा रही थी। हालांकि रोल्स मिल रहे थे, मगर जिस किस्म का काम मैं चाह रही थी, वो नहीं मिल रहा था। शो से मुझे काफी लोकप्रियता मिली, मगर मैं अभिनय करना चाहती थी, तो एक कलाकार के रूप में मुझे लगा कि मेरे साथ काफी ज्यादती हुई। अब क्या कहूं, कई डायरेक्टर-प्रोड्यूसर्स कॉल करके बुलाते, मगर मैं अपनी डेट्स मैच नहीं कर पाती थी। अब जैसे वाशु भगनानी जी ने फोन करके रोल ऑफर किया और मुझसे स्कॉटलैंड के शेड्यूल के लिए 25 दिन मांगे, मगर यहां कपिल शो के लिए मुझे हफ्ते में दो बार शूटिंग करनी होती थी, तो मैं कर नहीं पाई। ऐसा कई बार हुआ। अब शो में मेरे एपिसोड कम हो गए हैं, इसलिए मुझे दूसरे तरह के किरदार निभाने का मौका मिल रहा है, जो एक अभिनेत्री होने के नाते मेरे लिए बहुत जरूरी है। 'टोस्टर' मेरे लिए ऐसा ही एक शानदार अवसर था।'

बेटों को अपने फैसले लेने की आजादी दी

सभी जानते हैं कि असल जिंदगी में अर्चना पूरन सिंह आर्यमान और आयुष्मान जैसे दो बेटों के मां हैं। उनकी सीरीज एजुकेशन सिस्टम पर है, तो हमने उनसे जानना चाहा कि पढ़ाई -लिखाई और पैरेंटिंग के मामले में वे किस तरह की मां रहीं, क्योंकि आम तौर पर कई माता-पिता अपने बच्चों पर काफी दबाव बनाते हैं। इस पर अर्चना बोलीं, 'मैंने हमेशा अपने बच्चों को अपनी पसंद चुनने की आजादी दी। मेरा छोटा बेटा जब स्कूल बदल कर जमनाबाई से सिंगापुर इंटरनेशनल स्कूल जाना चाहता था, हमने उसे रोका नहीं। बड़ा बेटा फुटबॉल के लिए लंदन जाना चाहता था, तो हमने उसका भी साथ दिया। मैंने बेटों से यही कहा कि अगर कोई एक्टर बनना चाहता है तो उसे एक्टिंग सीखनी होगी। हमारे घर में हर मुद्दे पर हमेशा खुलकर बातचीत होती है और अंतिम फैसला बच्चों का ही होता है। मैं हमेशा कहती हूं कि कागज पर किसी फैसले के फायदे और नुकसान लिखो, फिर खुद समझ आ जाएगा कि क्या सही है क्या गलत? मुझे लगता है कि माता-पिता प्यार में बच्चों पर दबाव डालते हैं, लेकिन कई बार वही प्यार बच्चों पर नकारात्मक असर भी डालता है।'

टीचर ने दस बेंत मारी थी

सरकारी स्कूल की दुर्दशा पर आधारित 'आदर्श बाल विद्यालय' में काम करके अर्चना काफी खुश हैं। वह अपने स्कूल की यादों को ताजा करते हुए कहती हैं, 'मुझे स्कूल जाना बहुत अच्छा लगता था। उस समय लगता था कि बड़े होकर ज्यादा आजादी मिलेगी, लेकिन अब महसूस होता है कि स्कूल के दिन ही सबसे खूबसूरत थे। हर दिन कुछ नया होता था, कभी टेस्ट, कभी गेम्स, कभी आर्ट प्रतियोगिता। एक स्टूडेंट की जिंदगी जीना अपने आप में सबसे अच्छा दौर था। स्कूल में मुझे अपनी पनिशमेंट भी याद है। मुझे पहली कक्षा में हमारी हेड नन ने दस बेंत मारी थीं। आज तक याद है कितना दर्द हुआ था। उसके बाद हमारे स्कूल में शारीरिक सजा बहुत कम होती थी। कभी ज्यादा शरारत की तो टीचर चॉक का टुकड़ा फेंक देते थे, लेकिन पहली क्लास की वो दस बेंत की मार आज भी याद है।'

आर्यावर्त विश्वविद्यालय में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

डॉ. प्रशांत त्रिपाठी बोले- धैर्य, निरंतरता और अनुशासन से बदल सकते हैं अपनी जिंदगी

एक सत बुलेटिन, सीहोर।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय, सीहोर में शुक्रवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर फार्मेसी विभाग द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मां सरस्वती के पूजन के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में डेन-एशिया डेंटल ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अभिनेता एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. प्रशांत त्रिपाठी तथा सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर नरेंद्र सिंह राजपूत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दोनों अतिथियों के प्रेरक संबोधन से पूरा सभागार उत्साह और ऊर्जा से भर उठा। डॉ. प्रशांत त्रिपाठी ने भारत माता के जयघोष के साथ विद्यार्थियों से संवाद शुरू किया। उन्होंने कहा कि जीवन में परिस्थितियां चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और व्यक्ति लगातार प्रयास करता रहे तो सफलता का रास्ता जरूर बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों के जीवन से जुड़े कई प्रसंग साझा करते हुए अल्बर्ट आइंस्टीन, शहीद भगत सिंह और राजगुरु जैसे महान व्यक्तित्वों के जीवन संघर्ष और समर्पण का उल्लेख किया। उन्होंने विद्यार्थियों को धैर्य, निरंतरता, अनुशासन और अपने सपनों पर विश्वास बनाए रखने की प्रेरणा दी। उनके संबोधन के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी और पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। नरेंद्र सिंह राजपूत ने फार्मासिस्ट की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था केवल चिकित्सक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें फार्मासिस्ट की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि फार्मासिस्ट दवाओं की सही जानकारी, उनके सुरक्षित उपयोग और मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे गर्व है कि मैं इस प्रोफेशन से जुड़ा हूं।' उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने पेशे को केवल रोजगार का माध्यम न मानें, बल्कि इसे समाज की सेवा और लोगों के जीवन को सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी के रूप में देखें। कार्यक्रम के दौरान भारतीय भेषजी परिषद के निर्देशन में उपस्थित फार्मासिस्टों एवं विद्यार्थियों ने अपने पेशे की गरिमा बनाए रखने तथा समाज के हित में जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करने की शपथ ली। सभी ने औषधियों के सुरक्षित एवं तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने, मरीजों के हित को प्राथमिकता देने तथा फार्मेसी पेशे के मूल्यों और दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) दीपक राज तिवारी, प्रतिकुलगुरु डॉ. गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव डॉ. अनुज सिंघई सहित फार्मेसी एवं अन्य विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान में गूंजा स्वच्छता का संकल्प, महाराजबंध तालाब में हुआ श्रमदान

उपमुख्यमंत्री ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

एक सत बुलेटिन, रायपुर

स्वच्छता ही सेवा 2026 एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत आज रायपुर के मठपारा स्थित महाराजबंध तालाब में श्रमदान एवं सफाई अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, नगर निगम की टीम, ग्रीन आर्मी, स्वयंसेवी एवं सामाजिक संगठनों तथा बड़ी संख्या में जागरूक नागरिकों ने सहभागिता निभाई और तालाब को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक श्री सुनील सोनी, श्री मोतीलाल साहू, श्री पुरंदर मिश्रा, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, महंत रामसुंदर दास, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, सूडा के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। अभियान के दौरान प्रतिभागियों ने महाराजबंध तालाब परिसर में श्रमदान करते हुए कचरे एवं गंदगी की सफाई की। इस अवसर पर नागरिकों को तालाब एवं जलस्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से तालाब में कचरा नहीं डालने तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने उपस्थित जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

समग्र शिक्षा अभियान अन्तर्गत बी.ए.सी. एवं जन शिक्षा केन्द्र में जन शिक्षकों के पदों पर सेवाएं लिये जाने हेतु काउंसिलिंग 28 से

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

कलेक्टर भिण्ड के निर्देशानुसार समग्र शिक्षा अभियान अन्तर्गत भिण्ड जिले के प्रत्येक जनपद शिक्षा केन्द्रों में विकासखण्ड अकादमिक समन्वयक (बी.ए.सी.) एवं जन शिक्षा केन्द्र में जन शिक्षकों के पदों पर सेवाएं लिये जाने हेतु अपने अधीनस्थ शालाओं में पदस्थ निर्धारित अर्हता पूर्ण करने वाले संबंधित समस्त शिक्षकों को निर्धारित काउंसिलिंग तिथि 28 सितम्बर 2026 से प्रारंभ होकर पदपूर्ति होने तक स्थान जिला शिक्षा केन्द्र भिण्ड में वरिष्ठता सूची के अनुसार पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जा रही है। जिसमें अर्हताधारी लोकसेवकों को दिनांक 28 सितम्बर 2026 से वरिष्ठतासूची के आधार भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया है। कार्यालयीन समय में वरिष्ठता सूची के अनुसार काउंसिलिंग दिनांक 28 सितम्बर 2026 को क्रमांक 129 से 16686 तक, दिनांक 29 सितम्बर 2026 को 16915 से 40124 तक तथा दिनांक 30 सितम्बर 2026 को 40128 से सूची समाप्ति तक की जाएगी। उपरोक्तानुसार निर्धारित दिनांक को उपस्थित नहीं होने पर कांउसिलिंग का आगामी दिवसों में कोई अवसर नहीं दिया जावेगा। काउंसिलिंग समाप्ति होने के उपरान्त कलेक्टर द्वारा निर्धारित समिति के निर्णय अनुसार आपको सूचित किया जावेगा।

छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीर्थस्थलों के समग्र विकास को भी मिलेगी नई गति: बृजमोहन

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल शुक्रवार को संसद की प्राक्कलन समिति (एस्टिमेट्स कमेटी) के आधिकारिक अध्ययन प्रवास के तहत उत्तराखंड पहुंचे। समिति के अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल एवं अन्य साथी सांसदों के साथ उन्होंने द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख भगवान श्री केदारनाथ धाम और तत्पश्चात श्री बद्रीनाथ धाम पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा देश व छत्तीसगढ़ की जनता के सुख-समृद्धि एवं कल्याण की मंगलकामना की। अध्ययन प्रवास के दौरान केदारनाथ में समिति द्वारा 'देश में धार्मिक स्थलों पर इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा संबंधी मुद्दों का आकलन' विषय पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति, केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय तथा उत्तराखंड शासन के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों व प्रतिनिधियों के साथ अहम बिंदुओं पर विचार-विमर्श हुआ। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि देश के प्रमुख आस्था केंद्रों पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में उनकी आस्था के सम्मान के साथ-साथ सुगम आवागमन, आधुनिक बुनियादी ढांचा, आपदा प्रबंधन और कड़े सुरक्षा इंतजाम समय की मांग हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के प्रमुख धामों का कायाकल्प हुआ है।

जिस तरह जीने के लिए हर सांस मायने रखती है उसी तरह जरूरतमंद के लिए रक्त की बूंद मायने रखती है: प्रदीप पटेल

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

सेवा से संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित पुलिस लाइन भिंड में हुआ। आज पुलिस विभाग के तत्वावधान में एडिशनल एसपी श्री प्रदीप पटेल, एसडीओपी अटेर श्री रविन्द्र वास्कले, श्री अरविंद सिकरवार एवं पुलिस हॉस्पिटल प्रभारी डॉ.डी.के. शर्मा के मार्गदर्शन एवं सहभागिता से सेवा से संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत रक्तदान शिविर एवं पुलिस बल के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एडिशनल एसपी श्री प्रदीप पटेल ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य रक्त की कमी को दूर करना है, आपात स्थिति में जरूरतमंदों की मदद करना और समाज में स्वास्थ्य व मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता फैलाना है। जिस तरह जीने के लिए हर सांस मायने रखती है उसी तरह जरूरत मंद के लिए रक्त की हर बूंद मायने रखती है। शिविर में पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए 20 यूनिट रक्तदान किया। साथ ही पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। इस अवसर पर रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए पुलिस बल द्वारा किए गए इस पुनीत एवं सराहनीय कार्य की प्रशंसा की गई। इस नेक कार्यक्रम ने पुलिस सेवा और सामाजिक सरोकार एवं मानवता के प्रति संकल्प का प्रेरणादायी संदेश दिया।

पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना में 30 सितंबर तक कर सकते हैं आवेदन

भिण्ड। पत्रकार स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना के तहत पत्रकारों की मांग पर ऑनलाइन आवेदन की तिथि 25 सितंबर से बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गयी है। पत्रकार बंधु अब 30 सितम्बर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर योजना में शामिल हो सकते हैं। योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट mpinfo.org पर उपलब्ध है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड में गत दिवस करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला रोजगार कार्यालय भिण्ड के सहयोग से विद्यार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में जिला रोजगार कार्यालय भिण्ड से विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने शासन की विभिन्न रोजगार एवं स्वरोजगार योजनाओं, युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों, रोजगार प्राप्त करने के विभिन्न माध्यमों तथा स्वरोजगार के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक योग्यता, तकनीकी कौशल एवं रुचि के अनुरूप करियर का चयन करने तथा उपलब्ध शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विद्यार्थियों को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने की संभावनाओं से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने करियर, रोजगार, स्वरोजगार एवं शासकीय योजनाओं से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विषय विशेषज्ञ द्वारा समाधान एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। संस्था प्राचार्य श्री बी.डी. पुरोहित ने बताया कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर के प्रति जागरूक करना, रोजगार के उपलब्ध अवसरों की जानकारी देना तथा उन्हें आत्मनिर्भर एवं कौशल आधारित भविष्य के लिए तैयार करना रहा।

पीएम किसान सम्मान निधि के लिए 2 से 31 अक्टूबर तक चलेगा विशेष अभियान

भिण्ड। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के लिए जिले में 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान किसानों की ई-केवाईसी, आधार एवं बैंक खाते को डीबीटी के लिए सक्षम कराने, लैंड लिंकिंग, फार्मर आईडी सहित अन्य लंबित कार्यों को पूरा कराया जाएगा। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की राशि तीन समान किस्तों में प्रदान की जाती है। अभियान का उद्देश्य पात्र किसानों के लंबित दस्तावेजी एवं तकनीकी कार्यों को पूरा कर उन्हें योजना का लाभ दिलाना है। अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। पंचायतों के क्लस्टर बनाकर पंचायत भवनों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में पीएम किसान एप के माध्यम से ई-केवाईसी की प्रक्रिया की जानकारी एवं प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। सीएससी केंद्रों को ई-केवाईसी का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य की नियमित समीक्षा की जाएगी। वहीं पटवारियों को ग्राम नोडल अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपकर पटवारीवार समीक्षा की जाएगी। अभियान के दौरान अपात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन और छूटे हुए पात्र किसानों के पंजीयन की कार्रवाई भी की जाएगी। कृषि, पंचायत सहित अन्य विभागों के मैदानी अमले के सहयोग से योजना के शत-प्रतिशत सेचुरेशन का लक्ष्य रखा गया है।

जन-विश्वास शिविर में कलेक्टर- एसपी ने सुनी जनता की समस्याएं

28 आवेदन प्राप्त, 14 का निराकरण, 60 को मिला स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार संचालित जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत आज नगर परिषद फूप के शासकीय महाविद्यालय में जनसंवाद एवं समाधान शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर भिण्ड ने शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, लोकसेवा प्रबंधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगर पालिका से संबंधित कुल 28 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 14 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। जन-विश्वास शिविर अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 60 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा दवाईयां भी उपलब्ध कराई गईं। साथ ही शिविर के दौरान 11 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए और 33 व्यक्तियों का एक्सरे भी किया गया। शिविर के दौरान कलेक्टर ने महिला बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित पोषण अभियान के तहत सेम और मेम बच्चों की माताओं को पोषण डलिया तथा पौधों का वितरण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार, सीईओ जिला पंचायत वीर सिंह, एसडीएम भिण्ड, नगर परिषद फूप अध्यक्ष सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जन विश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर ने किया ग्राम समन्ना और बरही का भ्रमण जन विश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर ने ग्राम समन्ना और बरही का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया और उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने समन्ना के आंगनवाड़ी केंद्र में चटाई और पक्की फर्श की व्यवस्था तथा शौचालय की मरम्मत करने के निर्देश दिए। उन्होंने समन्ना पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया तथा शासकीय योजनाओं का 100 प्रतिशत सैचुरेशन किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि हितग्राहियों की सुविधा के लिए शासकीय योजनाओं की एक पुस्तिका छपवा कर समस्त पंचायत भवनों में रखी जाए। उन्होंने समन्ना ग्राम में आवास योजना, पेंशन योजना, संबल पंजीयन, समग्र पंजीयन, पीएम किसान ई-केवाईसी, आधार त्रुटि सुधार, जन्म/मृत्यु प्रमाणन, विवाह पंजीयन, इत्यादि की जानकारी भी प्राप्त की। कलेक्टर ने बरही में ग्राम पंचायत भवन का अवलोकन किया और फर्श निर्माण कार्य की जांच तीन दिन के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र नं 2 बरही और पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल का भी निरीक्षण किया। ग्रामवासियों द्वारा बच्चों के लिए खेल मैदान की आवश्यकता बताए जाने पर कलेक्टर ने उपलब्ध विकल्पों का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए।

एक जिला-एक उत्पाद के माध्यम से स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा

तकनीक और नवाचार से बढ़ाएंगे किसानों का उत्पादन और आमदनी : मुख्यमंत्री मोहन यादव

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि तकनीक और नवाचार के माध्यम से किसानों का फसल उत्पादन और आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। सिंगरौली में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिले में 3 हजार से अधिक किसान प्राकृतिक खेती से जुड़ चुके हैं। सिंगरौली को प्राकृतिक खेती का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई क्षमता को 100 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने, उद्यानिकी का रकबा 30 लाख हेक्टेयर करने तथा खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। एक जिला-एक उत्पाद के माध्यम से स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। पशुपालन और डेयरी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने के साथ खेती से जुड़े एक लाख किसानों, युवाओं और बेटियों को विशेष प्रशिक्षण देकर कृषि उद्यमियों की नई पीढ़ी तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिंगरौली श्रीअन्न उत्पादन में अग्रणी है। कोदो-कुटकी की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी का निर्णय भी किसानों की पहल पर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रगतिशील किसानों से संवाद कर प्राकृतिक खेती, श्रीअन्न और हल्दी उत्पादन की जानकारी ली। किसानों ने जैविक खाद से प्राकृतिक खेती में लाभ बढ़ने की बात कही। मुख्यमंत्री ने किसानों से फसल विविधीकरण अपनाने तथा उद्यानिकी, प्राकृतिक खेती, पशुपालन और मछली पालन से जुड़ने की अपील की। उन्होंने बताया कि खेती के लिए 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने फीडरों का विभक्तिकरण किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि तकनीक और नवाचार के माध्यम से किसानों का फसल उत्पादन और आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। सिंगरौली में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिले में 3 हजार से अधिक किसान प्राकृतिक खेती से जुड़ चुके हैं। सिंगरौली को प्राकृतिक खेती का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के जीवन में समृद्धि लाने और उनकी आय को दोगुना करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक तरीकों और नवाचारों को बढ़ावा देकर फसल उत्पादन और किसानों की आमदनी दोनों में लगातार वृद्धि की जा रही है।

पितृपक्ष में सनातन प्रेस क्लब की सार्थक पहल, जरूरतमंद श्रद्धालुओं को मिलेगी निःशुल्क तर्पण सामग्री

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

शनिवार से शुरू हो रहा है पितृपक्ष के अवसर पर पितरों के प्रति श्रद्धा एवं सामाजिक सेवा की भावना को ध्यान में रखते हुए सनातन प्रेस क्लब द्वारा जरूरतमंद श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क तर्पण सामग्री उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है। इसका उद्देश्य दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं, महिलाओं एवं ऐसे जरूरतमंद परिजनों को सुविधा उपलब्ध कराना है, जो अपने पितरों का तर्पण श्रद्धापूर्वक करना चाहते हैं। क्लब से जुडे वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी प्रेम नारायण प्रेमी ने बाताया कि सनातन प्रेस क्लब की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली सामग्री में कलश, डाव, तिल-जौ, पुष्प एवं आवश्यक पूजन सामग्री शामिल रहेगी। श्रद्धालुओं से इसके लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। क्लब की ओर से कहा गया है कि पितृपक्ष के दौरान प्रत्येक श्रद्धालु को अपने पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने में सुविधा मिले, इसी उद्देश्य से यह सेवा शुरू की जा रही है। विशेष रूप से जरूरतमंद लोगों तक तर्पण सामग्री पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। तर्पण सामग्री प्राप्त करने अथवा अन्य आवश्यक सहायता के लिए श्रद्धालु प्रेम नारायण प्रेमी - 9827014837, राजेश राय - 9425011774 तथा पं. जितेन्द्र दुबे - 9893018664 से संपर्क कर सकते हैं। सनातन प्रेस क्लब ने इस सेवा अभियान का संदेश 'पितरों के प्रति श्रद्धा ज् समाज के प्रति सेवा' रखा है। क्लब के अनुसार, हर जरूरतमंद श्रद्धालु तक तर्पण सामग्री पहुंचाना इस पहल का संकल्प है। सनातन प्रेस क्लब की यह पहल धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सेवा और सहयोग की भावना को भी मजबूत करने का प्रयास है।ह्य

जल आर्थिक संवृद्धि और सतत विकास की मूल धुरी : संजय दुबे

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय दुबे ने कहा कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि आर्थिक संवृद्धि, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की रणनीतिक परिसंपत्ति है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 9वें भारत अंतर्राष्ट्रीय जल सप्ताह में उन्होंने 'जल को राष्ट्रीय परिसंपत्ति के रूप में पुनर्परिभाषित करना' विषय पर परिचर्चा में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। श्री दुबे ने कहा कि भविष्य की जल सुरक्षा और समर्थ शहरों के निर्माण के लिए नवोन्मेषी वित्तीय तंत्र, टिकाऊ अधोसंरचना और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन को अपनाना जरूरी है। उन्होंने इंदौर की नर्मदा आधारित जल अधोसंरचना के लिए जारी ग्रीन बॉन्ड का उल्लेख करते हुए इसे नगरीय विकास और पर्यावरण संरक्षण के समन्वय का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि 'नमामि नर्मदे' मिशन नदियों के पुनरुद्धार, पारिस्थितिकी संरक्षण और दीर्घकालिक जल सुरक्षा के प्रति मध्यप्रदेश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राज्य जल संरक्षण को आर्थिक प्रगति, सुदृढ़ नगरीकरण और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा से जोड़कर आगे बढ़ा रहा है। कार्यक्रम में काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर तथा एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक की संयुक्त रिपोर्ट 'इंडिया वाटर डाइजेस्टः स्केलिंग इन्वेस्टमेंट फॉर ए वाटर-सिक्योर इंडिया' का विमोचन भी हुआ। रिपोर्ट में जल क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और जल सुरक्षा को विकास का महत्वपूर्ण आर्थिक आधार बनाने पर जोर दिया गया।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा से समृद्ध होगी माध्यमिक कक्षाओं की शिक्षण पद्धति

भोपाल। मध्यप्रदेश में कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों की शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को नई दिशा देने के लिए माध्यमिक शिक्षकों को नई एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकों और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों के प्रशिक्षण की श्रृंखला 28 सितंबर से शुरू होगी। पहले चरण में 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चयनित राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) के विषय विशेषज्ञों का चार दिवसीय राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण होगा। इसके बाद चयनित मास्टर ट्रेनर्स का पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण 5 अक्टूबर से 6 नवंबर तक संभागीय मुख्यालयों की डाइट में आयोजित किया जाएगा। ब्लॉक स्तर पर कक्षा 6वीं से 8वीं तक के संबंधित शिक्षकों का प्रशिक्षण 12 अक्टूबर से 20 नवंबर तक होगा। कक्षा 7 की नई पाठ्य पुस्तकों की नई एप्रोच, गतिविधि आधारित शिक्षण और एनसीएफ-2023 के अनुरूप प्रभावी शिक्षण पद्धतियों पर विशेष जोर रहेगा।

गोरखपुर-गोंडा खंड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते दो ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन

लोकमान्य तिलक–गोरखपुर एवं राप्तीसागर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से संचालित होंगी

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर-गोंडा खंड में स्वामी नारायण छपिया-मस्कनवा-लखपत नगर-मनकापुर स्टेशनों के मध्य स्वचालित सिग्नलिंग कार्य के लिए 26 सितंबर 2026 से 27 सितंबर 2026 तक नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इस कार्य के कारण इस मार्ग से होकर संचालित होने वाली कुछ ट्रेनों के परिचालन में परिवर्तन किया गया है। इसी क्रम में भोपाल मंडल होकर संचालित होने वाली दो ट्रेनों को निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा– 1. गाड़ी संख्या 20103 मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 20103 मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस दिनांक 26 सितंबर 2026 को अपने निर्धारित मार्ग गोंडा-बस्ती-गोरखपुर के स्थान पर गोंडा-बढनी-गोरखपुर परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग के कारण यह ट्रेन मस्कनवा, बभनान, बस्ती एवं खलीलाबाद स्टेशनों पर नहीं जाएगी। 2. गाड़ी संख्या 12511 गोरखपुर-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल राप्तीसागर एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 12511 गोरखपुर-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल एक्सप्रेस दिनांक 27 सितंबर 2026 को निर्धारित मार्ग गोरखपुर-बस्ती-गोंडा के स्थान पर गोरखपुर-बढनी-गोंडा परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग के कारण यह ट्रेन खलीलाबाद, बस्ती एवं मनकापुर जंक्शन स्टेशनों पर नहीं जाएगी। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि उक्त अवधि में यात्रा करने वाले यात्री अपनी संबंधित ट्रेन के परिवर्तित मार्ग एवं प्रभावित ठहराव को ध्यान में रखते हुए यात्रा की योजना बनाएं। ट्रेन के परिचालन से संबंधित अद्यतन जानकारी रेलवे की अधिकृत सूचना प्रणाली से प्राप्त की जा सकती है।

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर 'नमामि भारतम' कार्यक्रम में गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर

एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शुक्रवार को सरस्वती विद्या मंदिर, ई-4 अरेरा कॉलोनी, भोपाल में 'नमामि भारतम्' कार्यक्रम का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों, आचार्य-दीदी, गणमान्य नागरिकों एवं अतिथियों ने एक साथ, एक स्वर और एक लय में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद लगभग 3 मिनट 11 सेकंड तक चले सामूहिक वंदे मातरम् गायन से पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में सत्यापनकर्ता के रूप में शासकीय विद्यालय अरेरा कॉलोनी के प्राचार्य डॉ. आर.के. यादव, मुख्य वक्ता के रूप में हेमम्ब्रा दुर्गा मंदिर ई-2 अरेरा कॉलोनी के अध्यक्ष एवं वंदे मातरम् समिति के संयोजक श्री सुनील पांडेय, विशेषज्ञ के रूप में मध्य प्रदेश शासन के ध्रुपद केंद्र के निदेशक श्री अफजल, संगीतज्ञ एवं प्रमुख गायिका के रूप में श्रीमती रीता बोथे तथा अध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक के रूप में श्री कांतिलाल चतर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्रीमती शिखा मोनू गोहल, श्री भालचंद्र रावले, श्री शशिकांत फड़के एवं श्री देवकीनंदन चौरसिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि मध्य भारत, महाकौशल, मालवा एवं छत्तीसगढ़ प्रांत के हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्रशिक्षु भी इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बने।

कुपोषण से निपटने मैदानी स्तर पर मजबूत हो रही पोषण व्यवस्था

भोपाल। मध्यप्रदेश में कुपोषण से निपटने और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों की व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में विभाग की सचिव श्रीमती जी.वी. रश्मि ने शुक्रवार को विदिशा जिले का भ्रमण कर विभिन्न केन्द्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता भी उनके साथ रहे। अटारीखेजड़ा और मानोरा के सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कर बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार, स्वास्थ्य सुविधाओं और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली।

26 सितम्बर से मालवा एवं सोमनाथ एक्सप्रेस का ठहराव भोपाल की बजाय निशातपुरा रहेगा

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 12919/12920 डॉ. अंबेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा मालवा एक्सप्रेस तथा 11465/11466 जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस का निशातपुरा स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया गया है। 26 सितम्बर 2026 से मालवा एवं सोमनाथ एक्सप्रेस का दोनों दिशाओं में ठहराव भोपाल की बजाय निशातपुरा स्टेशन पर रहेगा। ये गाड़ियाँ संत हिरदाराम नगर कॉर्ड लाइन के माध्यम से संचालित होंगी तथा भोपाल स्टेशन को बायपास करेंगी। निशातपुरा स्टेशन पर ठहराव समय 1. गाड़ी संख्या 12919 डॉ. अंबेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा मालवा एक्सप्रेस (प्रतिदिन) निशातपुराः 17:20 बजे आगमन, 17:30 बजे प्रस्थान 2. गाड़ी संख्या 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-डॉ. अंबेडकर नगर मालवा एक्सप्रेस (प्रतिदिन) निशातपुराः 07:25 बजे आगमन, 07:35 बजे प्रस्थान 3. गाड़ी संख्या 11465 जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन) निशातपुरा (हर्ई): 06.40 बजे आगमन, 06.45 बजे प्रस्थान 4. गाड़ी संख्या 11466 वेरावल-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन) निशातपुरा 20.10 बजे आगमन, 20.15 बजे प्रस्थान रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पूर्व अपनी गाड़ी की समय-सारिणी एवं नवीनतम जानकारी रेलवे के अधिकृत माध्यमों से अवश्य प्राप्त कर लें। यात्रियों की सुविधा हेतु यह व्यवस्था के अनुरूप 26 सितम्बर 2026 से संबंधित गाड़ियाँ संत हिरदाराम नगर-निशातपुरा कॉर्ड लाइन से संचालित होंगी और उनका ठहराव भोपाल की बजाय निशातपुरा स्टेशन पर रहेगा।

6 महीने टल सकते हैं नगरीय निकाय चुनाव

413 निकायों के 7,679 पदों पर चुनाव के लिए आयोग तैयार

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्य प्रदेश में अगले साल प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनाव अब सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सियासी टाइमिंग का भी सवाल बनते जा रहे हैं। जनगणना पूरी होने तक वार्डों का परिसीमन और नए नगरीय निकायों का गठन अटकने से चुनाव कार्यक्रम करीब छह महीने आगे खिसकने की संभावना बन रही है। यानी जिस चुनाव को राजनीतिक दल 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले स्थानीय स्तर पर अपनी पकड़ जांचने के मौके के रूप में देख रहे हैं, उसकी समय-सीमा ही बदल सकती है। प्रदेश में 16 नगर निगम, 99 नगर पालिका और 298 नगर परिषद समेत कुल 413 नगरीय निकायों में 7,679 पार्षद पदों के चुनाव होने हैं। महापौर और अध्यक्ष पद भी चुनाव का हिस्सा होंगे। लेकिन आरक्षण और परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने से पहले जनगणना से जुड़े आंकड़ों का इंतजार बड़ा पेच बन गया है। निकाय चुनाव की पूरी प्रक्रिया में वार्ड परिसीमन और आरक्षण अहम कड़ी हैं। जनगणना के बाद आबादी के आंकड़ों में बदलाव के आधार पर नए वार्ड बनाए जा सकते हैं और मौजूदा निकायों की सीमाओं में भी परिवर्तन संभव है। ऐसे में मौजूदा सीमा और आबादी के आधार पर आरक्षण प्रक्रिया पूरी करना व्यावहारिक रूप से मुश्किल होगा। दूसरी तरफ सरकार ने कुछ पंचायतों को मिलाकर नई नगर परिषद बनाने की घोषणा भी की है। जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने तक इन निकायों का गठन भी आगे बढने की संभावना है। यही वजह है कि चुनाव

कार्यक्रम से पहले परिसीमन, निकाय गठन और आरक्षण की तीनों प्रक्रियाओं का तालमेल जरूरी हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से चुनाव की तैयारियां आगे बढ़ाई जा रही हैं। मतदाता सूची को अपडेट किया जा चुका है। सरपंच से लेकर नगरीय निकायों तक चुनाव कराने के लिए ईवीएम उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी सरकार को भेजा गया है। आयोग का रुख स्पष्ट है कि पांच वर्ष की अवधि पूरी होने से पहले चुनाव कराना उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है, जबकि आरक्षण और उससे जुड़ी प्रक्रिया सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती है। यानी चुनाव कराने की तैयारी आयोग कर सकता है, लेकिन चुनाव की जमीन तैयार करने के लिए परिसीमन और आरक्षण का काम सरकार को पूरा करना होगा। इस बार नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्ष का चुनाव भी प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने का प्रावधान है। महापौर और अध्यक्ष पदों के साथ पार्षदों के चुनाव में भी राजनीतिक दलों की सक्रियता बढना तय है। एससी, एसटी और ओबीसी के साथ महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। इसलिए परिसीमन के बाद आरक्षण की स्थिति बदलने से कई संभावित उम्मीदवारों की चुनावी रणनीति भी बदल सकती है। यही कारण है कि चुनाव छह महीने आगे खिसकता है तो इसका असर सिर्फ तारीख पर नहीं, बल्कि टिकट की तैयारी, स्थानीय समीकरण और राजनीतिक दलों के संगठनात्मक कार्यक्रम पर भी पड़ेगा। 2022 में हुए नगरीय निकाय चुनावों में 16 नगर निगमों में महापौर के चुनाव सीधे मतदाताओं ने किए थे। उस चुनाव में कांग्रेस को पांच नगर निगमों में महापौर पद मिला था, जबकि सिंगरौली में आम आदमी पार्टी की रानी अग्रवाल विजयी हुई थीं। अब अगले विधानसभा चुनाव से पहले होने वाला निकाय चुनाव राजनीतिक दलों के लिए स्थानीय स्तर पर संगठन और जनाधार की परीक्षा भी होगा। निकाय चुनाव और विधानसभा चुनाव के बीच उपलब्ध राजनीतिक समय भी कम हो सकता है। फिलहाल आयोग चुनाव कराने की तैयारी में है, जबकि सरकार के सामने परिसीमन, नए निकायों के गठन और आरक्षण की प्रक्रिया को लेकर व्यावहारिक अड़चन है।

स्वामी **एक सत प्रयास जनकल्याण समिति** के लिए मुद्रक प्रकाशक एवं **सम्पादक अमित शर्मा** द्वारा 401, जीवन छाया अपार्टमेंट, राइट टाउन, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से प्रकाशित एवं पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई, जबलपुर, मध्य प्रदेश 482002 से मुद्रित। पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI-MPHIN/2019/78787, स्थानीय संपादकः विक्रम सिंह। E-mail:eksatbulletin@gmail.com, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9893311784